मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 311
भोपाल, शनिवार
24 जनवरी 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com Email : amritdarshan@yahoo.com

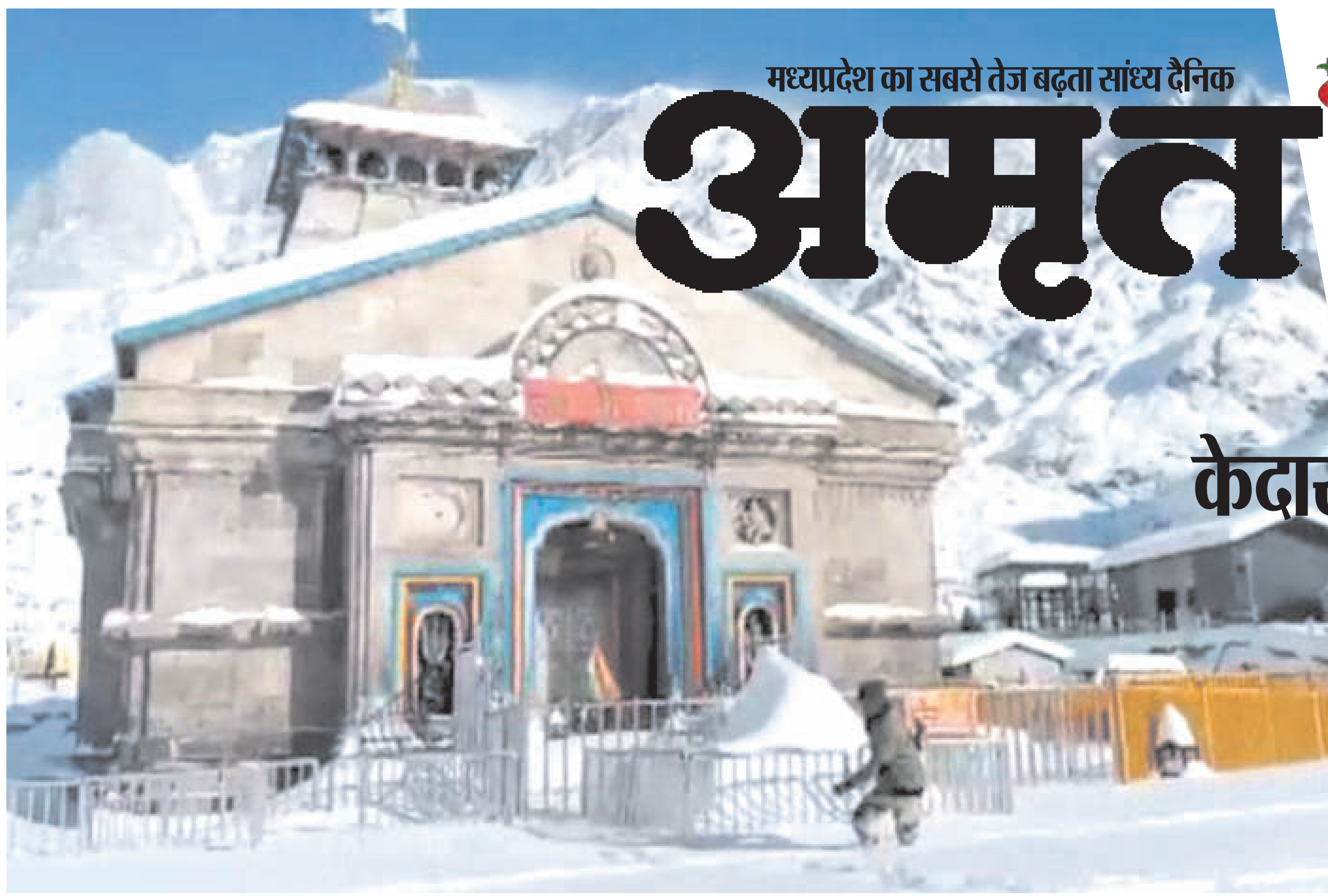

केदारनाथ धाम में भारी बर्फबारी

घुटनों तक जमी बर्फ... सामने आए केदारनाथ और त्रियुगीनारायण के खूबसूरत नजारे

रुद्रप्रयाग ■ एजेंसी

उत्तराखंड का प्रसिद्ध केदारनाथ धाम इस समय बर्फ की मोटी चादर में ढका हुआ है। सीजन की भारी बर्फबारी ने यहां का नजारा बेहद मनमोहक बना दिया है। मंदिर प्रांगण में घुटनों तक बर्फ जमी हुई है। धाम के सभी पैदल रास्ते पूरी तरह बर्फ से ढक चुके हैं। यहां लगभग 4 फीट तक बर्फ गिर चुकी है, जिससे बाबा केदारनाथ की नगरी सफेद चादर में लिपटी हुई दिखाई दे रही है।

शुक्रवार को केदारनाथ धाम के अलावा अन्य ऊंचे हिमालयी क्षेत्रों में भी जमकर बर्फबारी हुई। इस बर्फबारी ने न केवल धार्मिक स्थल की सुंदरता को बढ़ा दिया है बल्कि आसपास के पर्यटन स्थलों को भी जन्नत जैसा रूप दे दिया है। शिव-पार्वती के विवाह स्थल माने जाने वाले त्रियुगीनारायण में भी कल जमकर बर्फबारी हुई थी। आज मौसम साफ होने के बाद यहां का नजारा और भी आकर्षक हो गया है। चारों ओर बर्फ की सफेद परत जमी हुई है, जिसने यहां की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा दिया है। इसी तरह रुद्रप्रयाग जिले का बधानीताल भी बर्फ से ढक गया है। ताल के चारों ओर जमी बर्फ उसकी सुंदरता को और निखार रही है।

रातभर राहत कार्य में जुटा रहा प्रशासन

पतलीकूहल से मनाली तक 16 किमी लंबे ट्रैफिक जाम को सुचारू करने के लिए प्रशासन रातभर मौके पर डटा रहा। अन्य राज्यों से मनाली आ रहे पर्यटक रातभर गाड़ियों में फंसे रहे। प्रशासन ने हर पर्यटक तक पहुंचने की कोशिश की और उन्हें खाने पीने का सामान मुहैया करवाया।

देहरादून में पर्यटकों की भीड़

देहरादून के मशहूर पर्यटन स्थल चकराता में भी सीजन की पहली बर्फबारी ने इलाके की खूबसूरती में चार-चांद लगा दिए हैं। आसमान से गिरती बर्फ की सफेद चादर ने पहाड़ों को जन्नत जैसा रूप दे दिया। बर्फबारी की खबर फैलते ही पर्यटकों का सैलाब चकराता की ओर उमड़ पड़ा है। भारी भीड़ के कारण चकराता जाने वाले मुख्य मार्गों पर लंबा जाम लग गया और जगह-जगह वाहनों की कतारें देखी जा रही है। हालांकि जाम और ठंड ने पर्यटकों की मुश्किलें बढ़ाई, लेकिन उत्साह जरा भी कम नहीं हुआ है।

16 किलोमीटर ट्रैफिक, जाम में फंसे पर्यटक

इधर, बर्फ के दीवाने पर्यटकों ने मनाली का रुख कर लिया है। हिमपात के कारण शनिवार सुबह पतलीकूहल से मनाली तक 16 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। हिमपात की खबर सुनते ही मैदानी क्षेत्रों से पर्यटकों ने हिमाचल का रुख कर लिया है। शुक्रवार को मनाली आ रहे पर्यटक अभी रास्ते में ही फंसे हुए हैं। मनाली में दो फीट से ज्यादा बर्फ गिर चुकी है पर्यटक वाहनों से सड़कें जाम हो गईं, जबकि होटल खाली रह गए। हालांकि मनाली के होटलों में 55 से 60 प्रतिशत की आक्यूपेंसी है। भारी हिमपात के कारण शुक्रवार को पर्यटक न तो मनाली से बाहर जा सके न ही मनाली आ सके। पतलीकूहल से मनाली तक सबसे अधिक समस्या चढ़ाई वाले क्षेत्रों में हुई। पुलिस स्टेशन से वोल्वो स्टैंड, रांगड़ी, तिब्बतन स्कूल, आलू ग्राउंड व 17 मील में वाहन चालकों को अधिक समस्या हुई। इस स्थानों पर वाहन एक दूसरे से भी टकराए, जिस कारण उन्हें नुकसान भी उठाना पड़ा।

मध्यप्रदेश कैडर के आईपीएस अभिषेक तिवारी का इस्तीफा

भोपाल। मध्यप्रदेश कैडर के अनुभवी और कई जिलों में कप्तान की भूमिका निभा चुके आईपीएस अधिकारी अभिषेक तिवारी ने अचानक अपने पद से इस्तीफा देकर प्रशासनिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। साल 2013 बैच के अधिकारी तिवारी पिछले दो वर्षों से दिल्ली में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। सागर में दीवार गिरने से हुई 9 बच्चों की मौत के बाद उन्हें पद से हटाया गया था, जिसके बाद वे दिल्ली चले गए थे। उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है, जिसे लेकर पुलिस विभाग में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। उनके इस्तीफे की प्रक्रिया अब केंद्र और राज्य सरकार के अधीन है। मध्यप्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी अभिषेक तिवारी ने अपनी सेवाओं से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे की जानकारी राज्य और केंद्र सरकार दोनों को औपचारिक रूप से भेज दी है। अभिषेक तिवारी वर्तमान में दिल्ली में नेशनल टेक्नोलॉजी रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन में पदस्थ हैं, जो सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के अंतर्गत आता है।

2024 में सागर में 4 बच्चों की दीवार गिरने से मौत के बाद हटाए गए थे

अंतर्मना उवाच

खुद को खुश रखने के तारीके खोजें.. दुःख परेशानी चिंता तो खुद आपको खोज लेगी..!

*परमात्मा को नित्य धन्यवाद दो जो उसने आपको इतना प्यारा शरीर, मन, बुद्धि और सोच दी, अन्यथ: इसके बिना आपकी जिंदगी कैसी होती..? इसलिए **उससे शिकायत मत करो जिसने जीने के लिए सब कुछ दिया। जीवन को हम ही नहीं जी पा रहे, तो उसमे परमात्मा का क्या दोष..? जैसे** -*

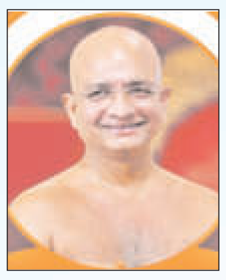

[1] टायर चलने पर घिसते हैं, जीवन भर चलने पर पैर नहीं घिसते।
[2] शरीर में 75% पानी भरा है, फिर भी एक बूंद का लीकेज नहीं है।
[3] कोई भी वस्तु बिना सहारे खड़ी नहीं हो सकती, लेकिन यह शरीर खुद का बैलेंस बनाकर चलता है।
[4] कोई भी बैटरी बिना चार्जिंग के नहीं चलती, लेकिन हृदय जन्म से लेकर मृत्यु तक बिना रुके धड़कता है।
[5] कोई पंप जीवन भर नहीं चल सकता, लेकिन रक्तचाप जीवन की अंतिम स्वांस तक बिना रुके चलता रहता है।
[6] दुनिया में सबसे महंगे कैमरे भी सीमित है, लेकिन आंखे हजारों मेगापिक्सल की गुणवत्ता में हर दृश्य को कैद कर सकती है।
[7] कोई भी लैब हर स्वाद का टेस्ट नहीं बता सकती, लेकिन जीभ बिना किसी उपकरण के हजारों स्वाद पहचान लेती है।
[8] सबसे एडवांस्ड सेंसर भी सीमित होते हैं, लेकिन शरीर [त्वचा] हल्की से हल्की संवेदना को महसूस कर सकती है।
[9] कोई भी यंत्र सभी ध्वनि नहीं निकाल सकता, लेकिन कंठ से हजारों फ्रीक्वेंसी की आवाजें पैदा हो सकती है।
[10] कोई भी डिवाइस सभी तरह की ध्वनियों को डिकोड नहीं कर सकती, लेकिन कान हर ध्वनि को समझकर अर्थ निकाल लेते हैं।

*इसलिए **परमात्मा प्रदत्त मनुष्य जीवन के उपहार का जीते जी उपहास मत होने देना, अन्यथ: फिर भटकना पड़ेगा 83 लाख 99 हजार 9 सौ 99 योनियो में...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

उज्जैन के तराना में तनाव जारी | रात को फिर आगजनी

बस के बाद फूंका लकड़ी का टाल, कई इलाकों में पथराव

नकाबपोश उपद्रवियों ने फैलाई अराजकता फोर्स तैनात

अब तक 19 आरोपियों की गिरफ्तारी

उज्जैन ■ अमृत दर्शन

तराना में गुरुवार रात विहिप के पूर्णकालिक सदस्य सोहिल ठाकुर पर हुए हमले के बाद लगातार माहौल बिगड़ता जा रहा है। शुक्रवार की दोपहर को हुए उपद्रव के बाद देर रात को भी कुछ लोगों ने मोहम्मद अलीम की लकड़ी की टाल में आग लगा दी। इस दौरान उपद्रवी नकाब पहनकर आए थे। वैसे पुलिस ने अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। तराना में आज तीसरे दिन भी तनाव की स्थिति बनी हुई है। शुक्रवार रात एक बार फिर अराजकता बढ़ गई। कुछ उपद्रवियों ने लकड़ी की टाल में आग लगा दी। साथ ही शहर के स्थानों पर फिर पथराव की सूचना भी सामने आई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने उपद्रवियों को खदेड़ा। वहीं प्रशासन की ओर से स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने की लगातार कोशिश जारी है। क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस टीम लगातार गश्त कर लोगों को अपने घरों में रहने के लिए कह रही है।

तराना में गुरुवार को हुए घटनाक्र म के बाद शुक्रवार को भी तनाव की स्थिति बनी रही। दोपहर करीब 3 बजे असामाजिक तत्वों ने कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए जमकर उत्पात मचाया। विहिप नेता पर हुए हमले से उपजा आक्रोश हिंसा में तब्दील हो गया, जिससे नगर की शांति भंग हो गई है।

तराना में ही रुके कलेक्टर: एसपी

तराना पहुंचे कलेक्टर सिंह और एसपी शर्मा ने रात तराना में ही रुके और उपद्रवियों पर कठोर कार्रवाई की बात कही। उन्होंने कहा उपद्रवियों की संख्या और बढ़ेगी। सीसीटीवी फुटेज लगातार चैक कर रहे हैं, जिससे उन्हें नामजद चिह्नित कराया जा रहा है। जितने भी लोग माहौल खराब कर उपद्रव करने में शामिल हैं, उनके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

फायर बिग्रेड ने आग पर पाया काबू

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंच गई और हालात का जायजा लिया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

दोपहर को बस स्टैंड में बवाल

पुलिस की भारी मौजूदगी के बीच दोपहर 3 बजे के आसपास शरारती तत्वों ने बस स्टैंड के समीप स्थित महेश मार्केट परिसर में खड़ी आनंद बस को निशाना बनाया। उपद्रवियों ने बस में आग लगा दी, जिससे देखते ही देखते बस आग के गोलों में तब्दील हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। हिंसा की लपटें यहीं नहीं रुकीं, उपद्रवियों का झुंड कपड़ा मार्केट की ओर बढ़ा और वहां जमकर हुड़दंग मचाया। कई मकानों और दुकानों पर पथराव किया गया, जिससे खिड़कियों के कांच टूट गए और काफी नुकसान हुआ। शांतिपूर्ण रहने वाले इस व्यापारिक क्षेत्र में मचे इस तांडव से व्यापारी वर्ग में भारी रोष और भय व्याप्त है। हालात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कप्तान स्वयं मोर्चा संभाले हुए हैं।
प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस पेट्रोलिंग तेज कर दी है।

संध्या छाया ओल्ड एज होम का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

भोपाल ■ अमृत दर्शन

घरों में एकांकी जीवन व्यतीत कर रहे बुजुर्गों का नया आशियाना मिल गया है। जिनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं है। ऐसे वरिष्ठजन के लिये सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा लगभग 24 करोड़ रूपये की लागत से भोपाल में बनाया पेड ओल्ड एज होम एक अभिनव प्रयोग के रूप में तैयार हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को इसका विधिवत लोकार्पण किया। भोपाल में यह वृद्धाश्रम पत्रकार कॉलोनी लिंक रोड न. 3 पर स्थित है। यह पाँच एकड़ से अधिक भूमि पर बना है, इसमें 12 सिंगल बेड, 22 डबल बेड, कुल 34 कमरें है। इसमें 56 वरिष्ठजनों के रहने की उत्तम व्यवस्था है। भवन में वातानुकूलित कमरें, टीवी, फ्रिज, गर्म एवं ठंडा पानी, निजी बालकनी की व्यवस्था प्रत्येक रूम में है। स्वास्थ्य सेवाएँ- डॉक्टर परामर्श की सुविधा है। भवन में फिजियोथेरिपी सेंटर, आपातकालीन चिकित्सा सहायता सुविधा भी दी गई है।

वरिष्ठजनों के मनोरंजन एवं लाइब्रेरी, ओपन मेस, डाइनिंग हॉल ओर वरिष्ठजनों के लिये विशेष रूप से डिजाइन किया गया पाथ-वे, प्रत्येक कमरे में अटैच बाथरूम, इन सभी में काल बेल, इंटरकाम, टेलीफोन की व्यवस्था दी गई है। आश्रम में सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गये हैं।

जातिगत जनगणना के नोटिफिकेशन पर भड़के अखिलेश यादव

जाति का कॉलम ही नहीं, तो क्या गिनेंगे?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने जनगणना के मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश ने दावा किया कि जनगणना को लेकर जो अधिसूचना जारी हुई है, उसमें जाति का कॉलम ही गायब है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना न करना पीडीए समाज के खिलाफ भाजपाई साजिश है। अखिलेश ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, जनगणना की अधिसूचना में जाति का कॉलम तक नहीं है, गिनेंगे क्या। जातिगत जनगणना भी भाजपा का जुमला है। भाजपा का सीधा फार्मूला है, न गिनती होगी, न आनुपातिक आरक्षण-अधिकार देने का जनसांख्यिकीय आधार बनेगा। जातिगत जनगणना न करना पीडीए समाज के खिलाफ भाजपाई साजिश है। आज भाजपा पर भरोसा करने वाले अपने को ठगा हुआ ही नहीं बल्कि घोर अपमानित भी महसूस कर रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय मूल के शख्स ने चार लोगों को मारी गोली

न्यूयॉर्क। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में कथित पारिवारिक विवाद के चलते गोलीबारी में मारे गए लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल था। अटलांटा में भारतीय मिशन ने यह जानकारी दी। इस गोलीबारी में कल सुबह चार लोग मारे गए। घटना के समय घर में तीन बच्चे मौजूद थे। कथित शूटर को गिरफ्तार कर लिया गया है और मृतकों के परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है।

पीएम मोदी ने 61 हजार युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

कहा-अब मिशन मोड में सरकारी नौकरी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को 18वें रोजगार मेले के तहत देश भर के 61,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के अपॉइंटमेंट लेटर वितरित किए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह नियुक्ति पत्र राष्ट्र निर्माण का निमंत्रण है। पीएम मोदी ने युवाओं को संविधान के प्रति उनके कर्तव्यों की

याद दिलाई। पीएम मोदी ने कहा कि नए साल की शुरुआत आपके जीवन में खुशियाँ लेकर आई है। आपके जीवन में भी एक नया बसंत शुरू हो गया है। आपका कर्तव्य संविधान से जुड़ गया है।

पीएम मोदी ने कहा युवाओं को कौशल से जोड़ना और उन्हें रोजगार के अवसर देना हमारी सरकार का लक्ष्य रहा है। सरकारी नौकरियों को मिशन मोड में लाने के प्रयास में, रोजगार मेला शुरू किया गया था। पिछले कुछ सालों में, रोजगार मेला एक संस्था बन गया है जिसके माध्यम से लाखों युवाओं को विभिन्न सरकारी विभागों में अपॉइंटमेंट लेटर मिले हैं।

टैरिफ पर जल्द मिलेगी खुशखबरी!

भारत से 25 प्रतिशत टैक्स हटा सकता है अमेरिका, ट्रंप के मंत्री का दावा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल खरीदने के चलते 25 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है। वहीं अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने दावा किया है कि भारत ने रूस से आयात करना कम कर दिया है, जिसके चलते जल्द ही 25 फीसदी टैरिफ हटाया जा सकता है। बेसेंट ने पॉलिटिको को दिए एक इंटरव्यू में बताया, भारत पर टैरिफ अभी भी लागू है, लेकिन भारत ने दो रूसी कच्चे तेल की खरीद में कमी की है, वो ट्रंप सरकार इस टैरिफ पर विचार करने का मौका दे रही है।

बेसेंट ने कहा, अमेरिका ने यूक्रेन पर हमले के बाद भारत को रूसी तेल खरीदने से रोकने के लिए 25 फीसदी टैरिफ लगाया था। अमेरिका ने उस समय बताया था कि भारतीय रिफाइनरियों ने डिस्काउंटेड रूसी कच्चे तेल की खरीदारी काफी बढ़ा दी, लेकिन देखा जाए तो अब ये खरीदारी पूरी तरह से बंद हो गई है। बेसेंट ने आगे कहा, भारत ने अब जब रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है तो अमेरिका भी टैरिफ हटाने पर विचार कर सकता है। स्कॉट बेसेंट ने भारत और रूस के व्यापारिक संबंधों पर पड़े असर को टैरिफ पॉलिसी की सफलता बताया।

अमेरिकी मंत्री का दावा- भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद काफी कम कर दी

यूरोपीय देशों की आलोचना

स्कॉट बेसेंट ने रूस के साथ व्यापार करने पर यूरोपीय देशों की आलोचना की। बेसेंट ने कहा, यूरोपीय देश सार्वजनिक तौर पर तो रूस की आलोचना कर रहे हैं। दूसरी तरफ यही लोग, भारतीय रिफाइनरियों में प्रोसेस किए गए रूसी कच्चे तेल से बने रिफाइंड प्रोडक्ट्स खरीद रहे हैं। बेसेंट ने यूरोपीय सरकारों की इस नीति को गलत ठहराया।

अमेरिका का 500 प्रतिशत टैरिफ का बिल

अमेरिका का दावा है कि इस दबाव के बाद भारत ने रूसी तेल की खरीद कम कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलायंस जैसी बड़ी भारतीय रिफाइनरियों ने जनवरी 2026 में रूसी तेल लेना रोक दिया। वहीं भारत का कहना है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतें राष्ट्रीय हित और किफायती दामों के आधार पर तय करता है, लेकिन 500 प्रतिशत टैरिफ वाले नए अमेरिकी बिल पर वह नजर बनाए हुए है। अमेरिका ने भारत से आने वाले कई सामानों पर फिलहाल कुल मिलाकर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा रखा है। इसमें से करीब 25 प्रतिशत सामान्य टैरिफ है, जो भारत के लगभग 55 प्रतिशत निर्यात पर लागू होता है।

खनिज अधिकारियों पर हमले का मामला

खनिज माफिया के खिलाफ 3 करोड़ 24 लाख की पेनाल्टी

जबलपुर। जबलपुर में माइनिंग के अवैध परिवहन की चेकिंग के दौरान सरकारी अमले पर हमला मामले में माइनिंग माफिया के खिलाफ 3 करोड़ 24 लाख की पेनाल्टी लगाई है। माइनिंग विभाग और राजस्व की जांच में खुलासा हुआ। दरअसल अवैध रूप से सरकारी जमीन पर गिट्टी और एम सैंड का स्टॉक किया गया था। अलॉट जमीन के अलावा अन्य जमीन पर भी माइनिंग की जा रही थी। घाघरा स्थित खसरा नंबर 63 अलाट था लेकिन खसरा नंबर 64/1, 64/2 और खसरा नंबर 65 में माइनिंग हो रही थी। निर्माण कार्य में लगी आईएससी कंपनी को खसरा 112 की जमीन पर माइनिंग की मंजूरी थी, लेकिन कंपनी खसरा 110,113,111 और 117 पर भी खुदाई कर रही थी। खनिज और माइनिंग विभाग की संयुक्त जांच में यह खुलासा हुआ है।

गुना में गणतंत्र दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल

प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत फहराएंगे तिरंगा; 13 प्लाटून ने किया मार्च पास्ट

गुना ■ निसं

गुना के लाल परेड मैदान पर 77वें गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां पूरी हो गई हैं। शनिवार को यहां फुल ड्रेस रिहर्सल (अंतिम अभ्यास) की गई। इस दौरान एडीएम अखिलेश जैन ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाते हुए ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। 26 जनवरी को होने वाले मुख्य समारोह में जिले के प्रभारी मंत्री और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत तिरंगा फहराएंगे। रिहर्सल के दौरान परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक (ऋद्ध) पूजा उपाध्याय ने परेड का नेतृत्व किया और मुख्य अतिथि को सलामी दी। परेड में पुलिस, एसएएफ, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट-गाइड, रेडक्रॉस और शौर्य दल सहित कुल 13 प्लाटून शामिल हुईं। सभी ने

कदम से कदम मिलाकर मार्च पास्ट किया और हर्ष फायर भी किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों और झांकियों का रिहर्सल: समारोह में स्कूली छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। बच्चों की परफॉर्मेंस ने वहां मौजूद अधिकारियों का मन मोह लिया। मुख्य समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न सरकारी विभागों की चलित झांकियां भी प्रदर्शित की जाएंगी।

सुबह 9 बजे होगा मुख्य कार्यक्रम

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और एसपी अंकित सोनी के निर्देशन में हुई इस रिहर्सल में मुख्य समारोह की तरह ही पूरी प्रक्रिया अपनाई गई। 26 जनवरी को मंत्री गोविंद सिंह राजपूत सुबह 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे। इसके बाद वे परेड का निरीक्षण करेंगे और मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे।

देवास में गणतंत्र दिवस की फाइनल रिहर्सल

पुलिस परेड ग्राउंड पर कलेक्टर ने ली सलामी; 26 को होगी मार्च पास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम

देवास ■ निसं

देवास में 26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह से पहले शनिवार को पुलिस परेड ग्राउंड पर फुल ड्रेस रिहर्सल (अंतिम अभ्यास) हुई। इसमें कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इस दौरान पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

CISF और SAF के जवान हुए शामिल: मुख्य समारोह 26 जनवरी को इसी पुलिस परेड ग्राउंड पर आयोजित किया जाएगा। शनिवार को हुई रिहर्सल में पुलिस, होमगार्ड, सीआईएसएफ

(CISF) और एसएएफ (SAF) के जवानों की प्लाटून शामिल हुईं। इन टुकड़ियों ने मार्च पास्ट का अभ्यास किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लिया जायजा: अधिकारियों ने परेड के अलावा स्कूली विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी अवलोकन किया। 26 जनवरी को मार्च पास्ट के साथ कई सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे, जिनकी तैयारियां जोरों पर हैं। कलेक्टर और एसपी ने संबंधित अधिकारियों को शाम तक सभी व्यवस्थाओं को सुचारु करने और तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

दमोह पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

दमोह। दमोह कोतवाली पुलिस ने शनिवार दोपहर स्टेशन चौराहे पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान वाहनों के दस्तावेजों की जांच की गई और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया गया। अभियान के तहत दस्तावेजों में कमी पाए जाने, बिना हेलमेट बाइक चलाने और ओवरलोड वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस ने करीब 10 वाहनों पर 4000 रुपए से अधिक का जुर्माना वसूला। यह अभियान 26 जनवरी के पर्व के मद्देनजर पुलिस की सतर्कता का हिस्सा है। पुलिस लगातार दोपहिया और चारपहिया वाहनों की तलाशी ले रही है और संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई भी कर रही है। उपनिरीक्षक (एसआई) बीएस हजारी ने बताया कि अधिकारियों के निर्देश पर यह कार्रवाई की जा रही है, जिसमें बिना हेलमेट और बिना दस्तावेज वाले चालकों पर जुर्माना लगाया जा रहा है।

पाले की चेतावनी- फसलों को पाले से बचाने सलाह

सीहोर। सीहोर जिले में न्यूनतम तापमान में उतार-चढ़ाव के बीच मावठे की बारिश की संभावना बढ़ गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने किसानों व आम जनता के लिए सलाह जारी की है। वर्तमान मौसम परिवर्तन को देखते हुए किसानों को शीतलहर और तुषार (पाला) से फसलों को बचाने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से सब्जी, चना, सरसों और टमाटर जैसी अति संवेदनशील फसलों के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। आज जिले का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कल यह 10 डिग्री सेल्सियस था। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में मावठे की बारिश होने की आशंका जताई है। किसानों को सलाह दी गई है कि शाम के समय खेत के उत्तर-पश्चिम दिशा में धुआं करें। सिंचाई की आवश्यकता होने पर खेतों में हल्की सिंचाई करें। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक ने बताया कि पाला पड़ने की संभावना पर फसलों में हल्की सिंचाई के साथ-साथ सल्फर 80 प्रतिशत की 500 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

सागर में शादी का झांसा देकर नाबालिग का अपहरण

सागर। सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर 17 वर्षीय नाबालिग का अपहरण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नाबालिग को सकुशल दस्तयाब किया है। आरोपी का नाम प्रमोद अहिरवार (21) है, जो संत रविदास वार्ड का रहने वाला है। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार, 16 जनवरी को फरियादिया ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी दोपहर करीब 2.30 बजे मोहल्ले में दुकान जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने मोहल्ले के ही एक युवक पर संदेह जताते हुए एफआईआर दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

नर्मदा जयंती महोत्सव का मंगलाचरण के साथ आज आगाज

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में मां नर्मदा प्रकटोत्सव और गौरव दिवस का दो दिवसीय आयोजन आज (शनिवार) से शुरू हो रहा है। सेठानी घाट और पूरा शहर दुल्हन की तरह सजाया गया है। उत्सव की शुरुआत सुबह 9.30 बजे सेठानी घाट पर मंगलाचरण से होगी। इस बार श्रद्धालुओं के लिए सबसे खास आकर्षण म्यूजिकल फाउंटेन और लेजर शो होगा, जिसमें मां नर्मदा की गाथा दिखाई जाएगी। मुख्य आयोजन रविवार को होगा, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जल मंच से मां नर्मदा का पूजन और अभिषेक करेंगे। शुक्रवार रात प्राचीन सेठानी घाट रंग-बिरंगी इंद्रधनुषी रोशनी से जगमगा उठा। घाटों की साफ-सफाई और रंगाई-पुताई कर उन्हें आकर्षक रूप दिया गया है। शहर के प्रमुख चौराहों पर भी विशेष विद्युत सजावट की गई है। यह पहला मौका है जब नर्मदा जयंती पर श्रद्धालुओं को लेजर शो और म्यूजिकल फाउंटेन का अनुभव मिलेगा।

इंदौर में दूषित पानी पीने से लोगों की मौतों का सिलसिला लगातार जारी

भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण और 2 लोगों की मौत, लोगों में दिखी नाराजगी

इंदौर ■ निसं

भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण होने वाली मौत का सिलसिला अभी भी थमा नहीं है। शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती दो मरीजों की मौत की जानकारी सामने आई है। इनमें 82 वर्षीय महिला और 63 वर्षीय पुरूष शामिल है। अभी भी रोजाना यहां से उल्टी-दस्त की शिकायत लेकर मरीज सामने आ रहे हैं।

अस्पतालों में 10 मरीज आईसीयू में भर्ती है, इनमें से दो वेंटीलेटर पर है। भागीरथपुरा निवासी विद्या बाई यादव(82) की गुरूवार रात नौ बजे अरबिंदों अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई है। बेटे शिवनारायण ने बताया कि मां स्वस्थ थी, वह अपना काम भी खुद ही कर रही थी। 10 जनवरी से अचानक उन्हें उल्टी-दस्त की शिकायत शुरू हो गई। इसपर हमारे परिचित डॉक्टर से दवाई लेकर आए और उन्हें दी। दस्त के कारण उन्हें बार-बार शौचालय जाना पड़ रहा था। तभी वहां उनका पैर फिसल गया, जिससे कूल्हे की हड्डी टूट गई थी।

इसके बाद हम इलाज के लिए एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां एक्सरे के बाद सर्जरी की योजना बनी। लेकिन उम्र अधिक होने के कारण वह नहीं हो सकी। इसके बाद हम उन्हें घर लेकर आ गए। घर पर गुरूवार को उनकी दोबारा तबीयत बिगड़ी, इसपर इलाज के लिए अरबिंदो अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां दो घंटे इलाज के बाद उनकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक भागीरथपुरा के 10 मरीजों का अब भी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिसमें से दो गंभीर बीमार मरीजों को वेंटीलेटर पर रखा गया है। शुक्रवार को 82 साल की विद्याबाई यादव और 63 साल के बद्रीप्रसाद की मौत हो गई थी। भागीरथपुरा में अब भी पानी से प्रभावित मरीजों के सामने आने और लगातार जान गंवा रहे लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए क्षेत्र के लोग आक्रोशित हैं।

इंदौर के भागीरथपुरा में सड़क पर शव रखकर चक्काजाम

इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों का सिलसिला नहीं थम रहा है। शुक्रवार को फिर एक महिला और एक पुरुष की इलाज के दौरान मौत हो गई और दूषित पानी से जान गंवाने वाली की संख्या बढ़कर 27 पर पहुंच गई। आज सुबह एक मृतक के परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। चिंटू चौकसे, राजू भदौरिया, अमित पटेल, दीपू यादव सहित कांग्रेस नेता भी मौके पर पहुंचे हैं। अब भी इलाके में रोज कई मरीज उल्टी-दस्त की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं।

ठंड में जमीन पर मिला नवजात, पास बैठे थे कुत्ते

राजगढ़ में मासूम को शॉल में लपेटकर अकेला छोड़ा; रोने की आवाज सुनने पर पहुंचे ग्रामीण

राजगढ ■ निसं

राजगढ़ के खिलचीपुर थाना क्षेत्र के बरुखेड़ी गांव में कड़ाके की ठंड के बीच गांव के बाहर सुनसान इलाके में बने एक खाली कमरे के पास खुले में जमीन पर एक नवजात शिशु पड़ा मिला। मासूम शॉल और पीले गमछे में लिपटा हुआ था, जबकि उससे कुछ ही दूरी पर दो कुत्ते बैठे हुए थे। शनिवार की सुबह जब ग्रामीणों ने उसे देखा तो पुलिस को सौंपा।

दरअसल सुबह उस रास्ते से गुजर रहे एक ग्रामीण को जब तेज रोने की आवाज सुनाई दी, तो उसने रुककर देखा। सामने का दृश्य दिल दहला देने वाला था। अकेला पड़ा नवजात ठंड से कांपता हुआ रो रहा था। ग्रामीण ने बिना समय गंवाए अन्य लोगों को बुलाया। कुछ ही देर में मौके पर गांव वालों की भीड़ जमा हो गई।

इसी दौरान गांव की एक महिला आगे आई और ममता दिखाते हुए बच्चे को गोद में उठाया। उस पल, शायद वही हाथ मासूम के लिए सबसे सुरक्षित सहारा बन गया। ग्रामीणों की तत्परता से बच्चे की जान बच सकी।

पुलिस और अस्पताल तक पहुंचा मासूम: घटना की सूचना तुरंत डायल-112 पर दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को खिलचीपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे भर्ती कराया गया। बेहतर इलाज और देखरेख के लिए बाद में उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घटना के बाद पूरे गांव में चर्चा और आक्रोश का माहौल है। बरुखेड़ी निवासी राजेश चारण ने कहा डॉक्टर विशाल सिसोदिया ने बताया कि मासूम का जन्म हाल ही में हुआ प्रतीत होता है।

छिंदवाड़ा में घर में खड़ी एक्टिवा को लगाई आग

छोटी बाजार में देर रात वारदात; बिजली मीटर जला, शॉर्ट सर्किट से पूरे इलाके की बत्ती गुल

छिंदवाड़ा ■ निसं

छिंदवाड़ा के छोटी बाजार क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 3 से 4 बजे अज्ञात बदमाशों ने एक घर के अंदर खड़ी स्कूटी में आग लगा दी। आग की लपटों ने वहां लगे बिजली के मीटर को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ और पूरे इलाके की बिजली गुल हो गई। गनीमत रही कि लोगों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटनास्थल से जली हुई लकड़ी बरामद हुई है। इससे यह साफ हो गया है कि आग लगाने के लिए जलती हुई लकड़ी का इस्तेमाल किया गया था। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि किसी ने रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया है।

शोर सुनकर जागे मकान मालिक: अचानक बिजली बंद होने और बाहर से आ रही आवाज सुनकर मकान मालिक सुभाष सोनी बाहर निकले। उन्होंने देखा कि उनकी स्कूटी आग की लपटों में घिरी हुई थी। उन्होंने शोर

मचाया, जिसके बाद मोहल्ले के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पानी डालकर आग बुझाई।

रहवासियों में दहशत, पुलिस पर सवाल: इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में डर और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि इलाके में नशाखोरी और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों की आवाजाही लगातार बनी रहती है, लेकिन इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। इसी वजह से असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। हालांकि, जिस घर में घटना हुई है, उसके पास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होने से पुलिस को सुराग तलाशने में कठिनाई आ रही है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

कार ने दादा-पोते की स्कूटी को टक्कर मारी, नागपुर रेफर

बैतूल में दोनों खाटू श्याम के दर्शन करके आ रहे थे; हादसे का वीडियो सामने आया

बैतूल ■ निसं

बैतूल में शनिवार तड़के एक सड़क हादसे में दादा और पोता गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना शहर से सटे कोसमी जोड़ के पास शुक्रवार-शनिवार करीब 2:45 बजे हुई, जब एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने स्कूटी को टक्कर मार दी। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर किया गया है।

स्कूटी पर सवार 19 वर्षीय दर्श धोटे (पिता सेवेंद्र धोटे) और उनके 74 वर्षीय दादा रामेश्वर धोटे (पिता सीताराम धोटे) टिकारी निवासी हैं। जानकारी के अनुसार, दादा-पोता कोसमी क्षेत्र में आयोजित खाटू श्याम प्राण प्रतिष्ठा समारोह से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ। हादसे में दर्श धोटे

के सिर में गंभीर चोटें आई हैं, वहीं रामेश्वर धोटे का एक पैर जख्मी हो गया।

112 से रेफर किया गया: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की 112 टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल बैतूल ले जाया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए परिजनों ने उन्हें नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल दर्श के चाचा मनोज धोटे ने बताया कि दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। मनोज बैतूल में लोक सेवा केंद्र का संचालन करते थे। वे कुनबी समाज संगठन के पदाधिकारी भी है।

बताया गया है कि स्कॉर्पियो के एयरबैग खुलने के कारण कार चालक को कोई चोट नहीं आई और वह हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

उज्जैन में गणतंत्र दिवस का समारोह कार्तिक मेला ग्राउंड में

सीएम यादव फहराएंगे तिरंगा, पहली बार लाइव करतब दिखाएगा डॉग स्क्वॉड; फुल ड्रेस रिहर्सल हुई

उज्जैन ■ निसं

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर उज्जैन में जिला स्तरीय समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 26 जनवरी को कार्तिक मेला ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएंगे। यह पहला अवसर होगा जब जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह दशहरा मैदान की जगह कार्तिक मेला ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है।

फुल ड्रेस रिहर्सल में दिखा अनुशासन और जोश: गणतंत्र दिवस से पूर्व कार्तिक मेला ग्राउंड में फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की गई। परेड का नेतृत्व सीआरपीएफ की टुकड़ी ने किया। इसके बाद सीमा सुरक्षा बल (ब्रस्न),

सशस्त्र पुलिस बल, मध्यप्रदेश पुलिस, महिला लाइन पुलिस (महिला जवानों के नेतृत्व में) और होम गार्ड के जवानों ने अनुशासित मार्च पास्ट किया। रिहर्सल के दौरान पुलिस बैंड भी मौजूद रहा।

पहली बार लाइव डेमो देगा स्पेशल डॉग स्क्वॉड: इस वर्ष समारोह का प्रमुख आकर्षण भोपाल से आया स्पेशल डॉग स्क्वॉड रहेगा। ट्रेनिंग स्कूल 23वीं बटालियन भोपाल से आए 12 प्रशिक्षित डॉग अपने हैंडलरों के साथ परेड में शामिल होंगे और लाइव डेमो प्रस्तुत करेंगे।

डॉग स्क्वॉड इंचार्ज सुखदेव यादव ने बताया कि उज्जैन में पहली बार यह दिखाया जाएगा कि डॉग स्क्वॉड विस्फोटक सामग्री की पहचान कैसे करता है, अपराध स्थल पर उनकी भूमिका क्या होती है और वे जांच में कैसे सहायता करते हैं। डेमो के दौरान घटनास्थल का सजीव दृश्य तैयार किया जाएगा, जो दर्शकों के लिए खास आकर्षण होगा।

डॉग 'माया' भी होगी शामिल: कार्यक्रम में ऑल इंडिया फर्स्ट ट्रॉफी और फर्स्ट रनिंग डॉग 'माया' भी शामिल होगी। इसके साथ ही परेड में एनसीसी 2 एमपी और 10 एमपी के कैडेट्स तथा स्काउट-गाइड की छात्राएं भी मार्च पास्ट करेंगी।

देशभक्ति से सराबोर होंगी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां: समारोह के

शिवपुरी में ऊर्जा मंत्री करेंगे ध्वजारोहण; पुलिस समेत एनसीसी-एनएसएस स्टूडेंट्स देंगे सलामी

शिवपुरी। शिवपुरी में गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह कार्यक्रम तात्या टोपे ग्राउंड में आयोजित होगा, जहां प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे। शनिवार को समारोह की फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल आयोजित की गई। कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी और पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने

रिहर्सल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने परेड की अनुशासनात्मक प्रस्तुति, मार्च पास्ट और कार्यक्रमों की समयबद्धता की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में कुल 14 प्लाटून हिस्सा लेंगे। इनमें पुलिस बल के दो, होमगार्ड का एक, वन विभाग का एक, कॉलेज एनसीसी के तीन सीनियर प्लाटून, एनसीसी एयर विंग का एक, स्काउट के दो और शौर्य दल का एक प्लाटून शामिल हैं।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से अंतर्राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पं. प्रदीप मिश्रा (सीहोर वाले) ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट की।

लाल परेड ग्राउंड पर हुई फुल ड्रेस रिहर्सल

भोपाल। राजधानी भोपाल में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित फुल ड्रेस रिहर्सल में जवानों ने शानदार कदमताल दिखाई। डमी राज्यपाल ने परेड की सलामी ली। इस बार की परेड अब तक की सबसे लंबी होगी, जिसमें कुल 23 प्लाटून शामिल होंगी। इनमें लगभग 1300 जवान और डॉग स्क्वॉड की टीम भी भाग लेगी।

संक्षिप्त समाचार

रास्ता भटके 5 साल के मासूम को डायल-112 ने परिजनों से मिलाया

भोपाल। राजधानी भोपाल के थाना कमला नगर इलाके में 5 साल का मासूम घर से निकलकर रास्ता भटक गया जिसे सूचना मिलने पर डायल-112 जवानों ने वापस परिजनो से मिला दिया। जानकारी के मुताबिक राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल में बीती रात करीब 8 :30 बजे सूचना मिली की थाना कमला नगर क्षेत्र अंतर्गत पी एंड टी चौराहे पर एक 5 साल का बालक मिला है, जो घर का रास्ता भटक गया है। खबर मिलते ही तत्काल कमला नगर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मदद के लिए मोके पर रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ प्रधान आरक्षक उमाशंकर एवं पायलट अंकित चौधरी ने मौके पर पहुँचकर मासूम को अपने संरक्षण में लिया। जवानों ने बालक को एफआरवी वाहन से साथ लेकर आसपास परिजन की तलाश शुरु की। काफी प्रयास करने पर बालक के परिजन की जानकारी मिली। इसके बाद डायल-112 जवान बालक को साथ लेकर उसके घर पहुँचे, जहाँ बालक द्वारा पहचान व सत्यापन करने के बाद बालक को परिजनो के सुपुर्द कर दिया किया। बताया गया है कि मासूम बालक की मॉ अपनी ड्यूटी पर थी, और माँ से मिलने की चाह में बच्चा बिना बताये घर से निकल कर रास्ता भटक गया था।

मेडिकल स्टोर संचालक का मोबाइल छीनने वालों की तलाश जारी

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र के एकतापुरी मैदान इलाके में मेडिकल स्टोर संचालक का 30 हजार कीमत का मोबाइल छीनकर फरार होने वाले दो बाइक सवार बदमाशो की पुलिस हाथ लगे सुरागो के आधार पर धरपकड़ के प्रयास कर रही है। मामले में पुलिस ने इलाके के संदेहिया, लूट की वारदातो को अंजाम देने वाले पुराने आरोपियो और हाल ही में जेल से छूटे अपराधियो को थाने तलब कर पूछताछ करते हुए उनकी कुंडली खंगाल रही है। सूत्रो के मुताबिक पुलिस को बदमाशो के संबध में सुराग हाथ लगे है, जिनके आधार पर जल्द ही उन्हें दबोचा जा सकता है। जानकारी के अनुसार बी-191, अशोका गार्डन निवासी आशीष जैन (48) ऑटो स्टैंड के पास मेडिकल स्टोर संचालित करते हैं। बीती 15 जनवरी की रात करीब 8 बजे वह एकतापुरी मैदान के पास अपनी कार खड़ी करने के बाद लौट रहे थे। इस बीच किसी का फोन आने पर वह मोबाइल पर बात करने लगे। तभी मोटरसाइकिल सवार दो बदमाश पीछे से आए और उनके हाथ से मोबाइल झपटकर फरार हो गए।

मिनी ट्रक से तस्करी कर ले जाई जा रही लाखों की देशी शराब जप्त

भोपाल। बैरसिया पुलिस ने एक मिनी ट्रक से अवैध रुप से ले जाई जा रही 3 लाख 65 हजार की देशी शराब जप्त की है। यह शराब आरोपी चालक शमशाबाद से बैरसिया की ओर लेकर आ रहा था। ट्रक से शराब की 73 पेटियां बरामद की गई हैं। जप्त शराब और मिनीट्रक सहित माल की कीमत 13 लाख 65 हजार रुपये बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार बीते दिन टीम को सूचना मिली कि शमशाबाद की ओर से आ रहे सफेद टाटा ट्रक 407 में अवैध रुप से शराब ले जाई जा रही है। खबर मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी करते हुए मिली ट्रक को रोका।

प्रदेश की पहचान उसके नक्शे से ही नहीं, बल्कि उपलब्धियों से भी होती है

व्यापार व्यवसाय के लिए हर देश भारत से जुड़ने के लिए प्रयासरत : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसी भी प्रदेश की पहचान उसके केवल नक्शे से नहीं, बल्कि उपलब्धियों से भी होती है। आज मध्यप्रदेश अपनी प्रभावी नीतियों और उनके सफल क्रियान्वयन के कारण न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान बना रहा है। प्रदेश औद्योगिक विकास की दिशा में तेजी से अग्रसर है और निवेश के लिए उद्यमियों को आकर्षित कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम दावोस की वार्षिक बैठक में सहभागिता के बाद जबलपुर में महाकौशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के व्यापारियों एवं उद्यमियों द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2014 के पहले की स्थिति अब पूरी तरह बदल चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा है और आज दुनिया का हर देश व्यापार और निवेश के लिए भारत से जुड़ने को उत्सुक है। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक श्री अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडे सहित व्यापारिक एवं व्यावसायिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में 200 से अधिक देशों ने भाग लिया, लेकिन सबसे अधिक फोकस भारतीय प्रतिनिधिमंडल पर रहा। भारत सरकार के साथ-साथ देश के 10 राज्यों ने भी इस मंच पर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें मध्यप्रदेश विशेष रूप से उभरकर सामने आया। विशेषकर नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश ने वैश्विक निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा एवं पॉवर सेक्टर के माध्यम से सस्ती बिजली का उत्पादन किया जा रहा है और मात्र 2 रुपये 10 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसी भी राज्य के विकास के लिए आर्थिक समृद्धि अत्यंत आवश्यक है। राज्य यदि आर्थिक रूप से समृद्ध नहीं होगा तो विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में कठिनाई आएगी। मध्यप्रदेश आज एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, जहां सड़क, बिजली, पानी और लैंड बैंक जैसी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर हर प्रकार के उद्योग-व्यवसाय को आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है। वर्ष 2025 को मध्यप्रदेश में उद्योग रोजगार वर्ष के रूप में मनाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भारत की विकास दर विश्व में सबसे तेज है। इसमें भी मध्यप्रदेश सभी राज्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मध्यप्रदेश जनसंख्या के आधार पर देश में 5वें स्थान पर है। प्रदेश युवा शक्ति के मामले में पहले स्थान पर है। प्रदेश की प्रभावी नीतियों के कारण बेरोजगारी दर के मामले में मध्यप्रदेश देश के उन तीन राज्यों में शामिल है जहां बेरोजगारी की दर सबसे कम है। उन्होंने बताया कि त्रिपुरा और तेलंगाना जैसे छोटे राज्यों की तुलना में, लगभग 9 करोड़ की आबादी होने के बावजूद मध्यप्रदेश में बेरोजगारी दर कम होना प्रदेश की बड़ी उपलब्धि है। साथ ही प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय में लगातार वृद्धि हो रही है, जो समृद्धि का संकेत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार रोजगार मूलक उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रोत्साहन दे रही है। उद्योगों की स्थापना पर 30 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी प्रदान की जा रही है, वहीं एमएसएमई सेक्टर को 60 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जा रही है। राज्य के संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए नई नीतियां बनाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि देश में सबसे तेज गति से मेडिकल कॉलेज मध्यप्रदेश में खोले जा रहे हैं। मेडिकल कॉलेज खोलने के इच्छुक उद्यमियों को 25 एकड़ भूमि मात्र एक रुपये की दर से उपलब्ध करायी जा रही है।

राजधानी में 9 महीने बाद भी ई-रिक्शा के रूट तय नहीं

शहरभर में जाम और हादसों का बढ़ गया है खतरा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी में ई-रिक्शा संचालन के लिए करीब 9 महीने बाद भी रुट तय नहीं हो सके हैं। इस वजह से शहरभर में जाम और हादसों का खतरा बढ़ गया है। मामले में अधिकारी रूट प्लान आरटीओ को भेजने की बात कह रहे हैं, लेकिन अंतिम फैसला न होने से सड़क व्यवस्था बदहाल बनी हुई है। राजधानी भोपाल में ई-रिक्शा संचालन पूरी तरह अव्यवस्थित हो चुका है।

कलेक्टर के निर्देशों को 9 महीने बीत जाने के बाद भी ई-रिक्शा के रूट फाइनल नहीं हो सके हैं। नतीजा यह है कि शहर की सड़कों पर जाम, अव्यवस्था और दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। अब अधिकारी यह कहकर जवाब दे रहे हैं कि रूट प्लान आरटीओ को भेज दिया गया है। बिना तय रूट और स्टैंड के चल रहे ई-रिक्शा जहां सवारी मिलती है, वहीं रुक जाते हैं। इससे पीछे चल रहे वाहन अचानक ब्रेक लगाने को मजबूर होते हैं और देखते ही देखते जाम लग जाता है। पुराने भोपाल की तंग गलियों से लेकर नए भोपाल की व्यस्त सड़कों तक हालात बिगड़े हुए हैं। कई इलाकों में नाबालिग बच्चों द्वारा ई-रिक्शा चलाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्कूली बच्चों तक को इन ई-रिक्शा में ढोया जा रहा है, जबकि यात्रियों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आती। 25 अप्रैल 2025 को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर कौशैलेंद्र सिंह ने इलाकेवार ई-रिक्शा रूट तय करने के निर्देश दिए थे। ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम को जिम्मेदारी सौंपी गई।

सरस्वती विद्या मंदिर पिपलानी में बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजन किया गया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सरस्वती विद्या मंदिर पिपलानी में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन एवं विद्या आरंभ संस्कार एवं शारीरिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रुप में मनोहर मेहरा एवं मुख्य अतिथि दिग्विजय सिंह चौहान एवं समिति के अध्यक्ष सुरेशचंद्र दुबे उपस्थित रहे।

अतिथि परिचय विद्यालय के व्याख्याता अजीत सिंह राजपूत द्वारा करवाया गया एवं कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की दीदी श्रीमती सुषमा दुबे एवं आभार श्रीमती प्रियंका दीक्षित के द्वारा किया गया। अतिथि स्वागत विद्यालय के पूर्व छात्र धर्मेन्द्र गुप्ता, श्रवण शर्मा एवं विद्यालय के प्राचार्य द्वारा किया गया। विद्यालय के प्राचार्य मुकेश कुमार शुक्ला द्वारा विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के अवसर पर सह प्रांत प्रमुख दीपक चंदेवा द्वारा भैया-बहिनों का मार्गदर्शन किया गया। इस अवसर पर विभाग समन्वयक अंकित शुक्ला , ग्रामीण शिक्षा समिति के प्रांतीय सचिव धीरेन्द्र सिंह सेंगर, विद्यालय की प्रथम प्रधानाचार्य श्रीमती निर्मला शर्मा एवं वरीष्ठ आचार्या श्रीमती वंदना दीदी उपस्थित रहे।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्मिकों ने पूर्व प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल को दी विदाई

भोपाल ■ अमृत दर्शन

म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविन्दपुरा स्थित पॉवर डिस्ट्री ब्यूसशन ट्रेनिंग सेन्टोर (पीडीटीसी) सभागार में शुक्रवार को कंपनी के पूर्व प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल का विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठि अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उन्हें आत्मीनय विदाई दी।

गौरतलब है कि 2014 बैच के आईएएस अधिकारी श्री क्षितिज सिंघल का विगत दिनों कमिश्न र नगर निगम इंदौर के पद पर स्थानिांतरण हो गया था। उन्हों ने मध्यि क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में लगभग 18 महीने से अधिक प्रबंध संचालक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं ।

इस अवसर पर अतिथियों में निदेशक (तकनीकी) सुधीर कुमार श्रीवास्तंव, निदेशक (पीडीटीसी) ए.के. खत्री, मुख्य महाप्रबंधक (मान. संसा. एवं प्रशा.) उत्‍र्क्ष गौर, मुख्य वित्तीडय अधिकारी अखिलेश कुमार पांडे एवं मुख्य, महाप्रबंधक शहर वृत्त भोपाल बी.बी.एस परिहार सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी मनोज द्विवेदी एवं उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती नीतू सिंह ने किया। सिंघल ने कहा कि कंपनी में आप सभी लोगों के साथ काम करते हुए एक अपनेपन का अनुभव हुआ। बहुत कुछ किया तो बहुत कुछ सीखा भी है। उन्होंने सभी लोगों को कंपनी हित में आगामी बेहतर कार्यों के लिए शुभकामनाएं दी। महाप्रबंधक (प्रशासन) संपूर्णानंद शुक्लाी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जेपी अस्पताल में शुरू हुई डायबिटिक रेटिनापैथी टेस्ट

भोपाल। डायबिटिक रेटिनोपैथी की जांच के लिए जयप्रकाश (जेपी) प्रदेश का पहला जिला चिकित्सालय है, जहां जांच केंद्र की शुरुआत की गई है। यहां पर एआई फंडस कैमरे से स्क्रीनिंग की जाएगी। डायबिटिक रेटिनोपैथी पाए जाने पर मरीज को आगे के इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल रेफर किया जाएगा। यही नहीं, मरीजों को रेफर करने के साथ जेपी अस्पताल की टीम उनकी इलाज में मदद भी करेगी। इस केंद्र का संचालन अमृता दृष्टि नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम के सहयोग से किया गया है। जेपी में नई यूनिट की शुरुआत के दौरान एनएचएम के वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि डायबिटिक रेटिनोपैथी मधुमेह से जुड़ी एक गंभीर नेत्र बीमारी है। जिसमें हाई ब्लड शुगर के कारण रेटिना (आंख के पिछले हिस्से) की नर्व (रक्त वाहिकाओं) को नुकसान पहुंचाता है।

सांची विश्वविद्यालय में सरस्वती पूजन के साथ मनी सुभाष चंद्र बोस जयंती

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में वसंत पंचमी के उपलक्ष में सरस्वती पूजन संपन्न हुई। साथ ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती भी मनाई गई।

भारतीय चित्रकला विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो. नवीन कुमार मेहता ने सरस्वती पूजन संपन्न कराया। विश्वविद्यालय के भारतीय दर्शन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नवीन दीक्षित ने सरस्वती पूजन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में परा और अपरा विद्या को परिभाषित किया। उन्होंने बताया कि वैदिक काल से ही सरस्वती उपासना के प्रमाण मिलते हैं। डॉ. दीक्षित ने बताया कि इसीलिए इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता कहा जाने लगा।

डॉ. दीक्षित ने कहा कि बचपन से ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आदर्श स्वामी विवेकानंद थे। नेताजी के आध्यात्मिक सफर के बारे में डॉ. दीक्षित ने बताया कि स्वामी विवेकानंद और स्वामी अरबिंदो ने उन्हें बेहद प्रभावित किया था।

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर का पाँचवां दीक्षांत समारोह

सत्य, धर्म और पर्यावरण संरक्षण हमारी संस्कृति की आत्मा : राज्यपाल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति की आत्मा, सत्य बोलना, धर्माचरण और पर्यावरण संरक्षण हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने आचरण में संस्कार, संवेदनशीलता और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी को आत्मसात करें। राज्यपाल एवं कुलाधिपति पटेल शुक्रवार को वसंत पंचमी के अवसर पर महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर के पाँचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने समारोह में विद्यार्थियों को पी.एच.डी. उपाधि, स्वर्ण पदक तथा विभिन्न उपाधियाँ प्रदान की। दीक्षांत समारोह में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार भी मौजूद थे।

उपाधियाँ, समाज और राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारियों का प्रतीक: राज्यपाल पटेल ने कहा कि समारोह में प्रदान की गई उपाधियाँ केवल शैक्षणिक उपलब्धि का प्रमाण नहीं हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारियों का प्रतीक है। विद्यार्थी जीवन में नए अवसरों और चुनौतियों का सामना करते हुए निरंतर सीखते रहें। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के निर्माण में युवा पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि अपने ज्ञान, कौशल, शोध और

नवाचार के माध्यम से देश को निरंतर आगे बढ़ाएँ।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि शिक्षा केवल विद्यालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि परिवार और समाज से भी व्यक्ति जीवन मूल्यों की शिक्षा प्राप्त करता है। आज के विद्यार्थी ही कल के विकसित भारत की नींव हैं। शिक्षा का लक्ष्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनना भी होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था को व्यावहारिक, कौशल आधारित और समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने में नई शिक्षा नीति की सराहनीय भूमिका है।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में आगे बढ़ते समय माता-पिता और गुरुजनों के त्याग, तपस्या और मार्गदर्शन को कभी न भूलें। उनका सम्मान करना ही सच्ची सफलता की पहचान है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि शिक्षक का व्यक्तित्व विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उनमें ज्ञान, कौशल और चरित्र का संचार करता है। शिक्षक के कार्य की तभी सच्ची सार्थकता है जब समाज की अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा का प्रकाश पहुँचे। राज्यपाल पटेल ने दीक्षांत समारोह में 19 विद्यार्थियों को पीएचडी, 46 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और लगभग 200 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। माँ सरस्वती और महाराजा छत्रसाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। स्मारिका 'दीक्षावाणी' का लोकार्पण और विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी शोध और नवाचार के माध्यम से प्रदेश और देश की प्रगति में योगदान दें।

अनमोल वचन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
अज्ञात

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
एलेअनोर रूज़वेल्ट

सम्पादकीय

गाजा पीस बोर्डः शांति मंच या डोनाल्ड ट्रंप की बादशाहत?

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 'गाजा पीस बोर्ड' का विचार जितना महत्त्वाकांक्षी है उतना ही विवादास्पद भी है। गाजा जैसे जटिल और संवेदनशील समेत संघर्षशील क्षेत्र के लिए एक नया अंतरराष्ट्रीय मंच डोनाल्ड ट्रंप खड़ा करके अपनी बादशाहत कायम करने दादागिरी कर अपना वर्चस्व बनाना चाहते हैं। जिस तरह से इस बोर्ड की संरचना, सदस्यता और नेतृत्व की रूपरेखा लेकर ट्रंप सामने आए हैं, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य स्थापित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका पर सीधी चुनौती देने का काम किया है। जहां तक भागीदारी का प्रश्न है, ट्रंप ने लगभग 50 देशों को निमंत्रण भेजा था। उनके आमंत्रण पर केवल 19 देशों की भागीदारी संभव हो पाई है। जो देश शामिल हुए हैं, उनमें अधिकांश छोटे और सीमित प्रभाव वाले देश हैं। इस पहली बैठक में यूरोपीय संघ के प्रमुख देश शामिल नहीं हुए। रूस, चीन और भारत जैसे देश भी इस बैठक में शामिल नहीं हुए। प्रभावशाली अरब राष्ट्र इस पहल में शामिल नही हैं। इससे स्पष्ट है कि डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पीस बोर्ड के इस प्रस्ताव को दुनिया के देशों का समर्थन नहीं मिल रहा है। इस बोर्ड की वैधता और प्रभावशीलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। शांति प्रक्रिया तभी टिकाऊ हो सकती है, जब तक कि उसमें वैश्विक स्तर की सभी क्षेत्रीय शक्तियाँ और शक्तिशाली देश शामिल नहीं हो जाते। ऐसी स्थिति में इस बोर्ड का कोई महत्व नहीं रहेगा। गाजा पीस बोर्ड की 'भारी भरकम फीस' को लेकर भी कई देश इसमें शामिल होने के लिए तैयार नहीं है। शांति मंच का उद्देश्य किसी भी तरह के संघर्ष का समाधान बोर्ड के माध्यम से होना चाहिए। गरीब और छोटे देश को ना तो इसमें प्रतिनिधित्व मिलेगा और ना ही वह भारी भरकम फीस अदा कर पाएंगे। छोटे देश के लिए इसकी सदस्यता भी आर्थिक भार के रूप में सामने आ रही है, जिसके कारण ट्रंप के इस प्रस्ताव को कोई समर्थन मिलता हुआ दिख नहीं रहा है। सदस्यता शुल्क अधिक होने के कारण चुनिंदा देश ही इसे वहन कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में यह मंच वैश्विक स्थिति में कोई सार्थक भूमिका निभा पाएगा इस पर अपने आप पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इससे यह भी आशंका पैदा होती है, कि कहीं यह पहल ट्रंप की पीस बोर्ड की आड़ में व्यापारिक परियोजना के रूप में तो नहीं लाई जा रही है। सबसे संवेदनशील प्रश्न ट्रंप के 'स्थाई अध्यक्ष' बनने के प्रस्ताव से जुड़ा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में नेतृत्व आमतौर पर सामूहिक सहमति, रोटेशन और संतुलन के सिद्धांत पर आधारित होता है। स्थाई अध्यक्ष का विचार न केवल लोकतांत्रिक भावना के विरुद्ध है, बल्कि इस स्थिति में इस बोर्ड पर विश्वास करना भी कठिन हो जाता है। ट्रंप का यह प्रस्तावित बोर्ड उनके व्यक्तिगत प्रभाव और अमेरिकी वर्चस्व का एक उपकरण के रूप में देखा जा रहा है। क्या दुनिया के देश किसी एक राष्ट्र के नेता को स्थायी रूप से शांति प्रक्रिया का नेतृत्व देने में सहज रूप से विश्वास कर पाएंगे? इसमें संदेह है। संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय और मध्य पूर्व शांति प्रक्रिया से जुड़ी मौजूदा संस्थाएँ पहले से मौजूद हैं। इन संस्थाओं से अमेरिका अपनी दूरी बना रहा है। अमेरिका अपनी ताकत के बल पर उन्हें कमजोर करने में लगा हुआ है। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समानांतर मंच खड़ा करना संस्थागत वैश्विक स्तर पर अराजकता की स्थिति पैदा कर सकता है। हर बड़ी शक्ति अपनी सुविधा को ध्यान में रखते हुए यदि इस तरह के 'पीस बोर्ड' बनाएगी तो ऐसी स्थिति में वैश्विक व्यवस्था स्वयं खंडित हो जाएगी। गाजा पीस बोर्ड का विचार कागज पर आकर्षक लग सकता है। इसकी वर्तमान संरचना में सीमित भागीदारी, ऊँची फीस और डोनाल्ड ट्रंप का स्थाई अध्यक्ष बनने का प्रस्ताव, शांति का मंच कम और शक्ति-प्रदर्शन का मंच अधिक दिख रहा है। इस कारण दुनिया के देश इससे दूरी बनाकर चल रहे हैं। इस तरह के प्रस्ताव पर व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहमति, पारदर्शिता और संयुक्त राष्ट्र के साथ समन्वय के बिना आगे नही बढ़ा जा सकता है। इससे पहले तक ट्रंप द्वारा प्रस्तावित गाजा पीस बोर्ड का कोई भविष्य नहीं होगा। इस प्रस्ताव को लेकर जो राय सामने आ रही है उसमें कहा जा रहा है, कि डोनाल्ड ट्रंप स्थाई अध्यक्ष बनकर दुनिया के देशों को अपनी उंगलियों में नचाने की सोच रखते हैं। जिसके कारण डोनाल्ड ट्रंप इस बोर्ड को लेकर पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं।

चिंतन-मनन

जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है

जीवन में सम्पूर्ण आत्म निर्भरता जैसा कुछ नहीं है। इसे भूल जाओ। यदि आप सोचते हो कि मैं पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हो जाऊं तो ऐसा नहीं होगा। 15, 16 या 17 साल की आयु तक आप आत्मनिर्भर नहीं थे। आप आश्रित ही पैदा हुए थे। आप अपने आप उठ भी नहीं सकते थे, और कोई और आपको उठाता था। कोई आपके डायपर बदलता था। कोई आपको नहलाता था। कोई खिलाता था। कोई सुलाता था। आप एक आश्रित ही पैदा हुए थे और अंत में भी आश्रित ही रहोगे। जब आपकी मृत्यु हो जाती है तो आप अपने शरीर को अपने आप नहीं जला या दफना सकते। जब आप बीमार होते हो किसी को आपका ध्यान रखना होता है। आप अपने डाक्टर नहीं बन सकते। 50-60 वर्ष की आयु के बाद यह बिलकुल स्पष्ट हो जाता है कि आप किसी पर निभर होते हो। किसी हद तक आप नहीं कह सकते कि, मैं पूरी तरह से आत्म निर्भर हूँ। आपको किसी ना किसी की सहायता लेनी ही पड़ती है। अच्छा, फिर यह भी धारणा है कि आप पैसे से आत्मनिर्भर बनते हो। हमें अपनी ज़रुरत पूरा करने के लिए कुछ पैसा चाहिए, पर मान लो कोई भी आपके लिए कार्य करना न चाहे, तो आपका क्या होगा? आपकी धारणा गलत है कि पैसा आपको आत्मनिर्भर बनाता है। पर इसके साथ साथ आप अपने आप को आत्मनिर्भर मान सकते हो, आप अपने कार्यों के लिए स्वतंत्र हो, आप अपनी भावनायों को नियंत्रित करने के लिए मुक्त हो, यदि आप अच्छा महसूस करना चाहते हो तो यह आपके अपने हाथ में हैं। यदि आप अच्छा महसूस नहीं करना चाहते तो यह भी आपके अपने हाथों में हैं। आपको अष्टवप्र गीता सुननी चाहिए। जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है। यदि आप दयालु होना चाहते हो, तो आपको पूरी स्वतंत्रता है ऐसा बनने की। यदि आप चाहते हो आपका शिष्टाचार अच्छा हो, आप मीठे बोल बोलो तो यह पूर्ण रूप से आपके उपर निर्भर करता है। आप सोच सकते हो वित्तीय रूप से आप स्वतंत्र हो परन्तु मैं आपको बता देना चाहूँगा यदि आप अपने मित्रों, परिवारजनों यां और भी किसी के अपमानजनक शब्द सहन कर लेते हो तो आप स्वतंत्र हो। यदि आपको कोई दोष देता है और आपके लिए बुरा भला कहता है, आप इसे किस तरह से लेते हो यही निर्धारित करता है कि आप कितने स्वतंत्र हो। यदि आप वास्तव में मुक्त हो तो कोई भी आपको परेशान नहीं कर सकता। आप उत्साह से, द्रष्टा बन कर और मुस्कान के साथ आगे बढ़ सकते हो।

अस्थिर पूंजीवाद के दौर में दुनिया को ज़िम्मेदारी की नई सोच चाहिए

प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी
डायरेक्टर
आईआईएम
मुंबई

इस रैंकिंग को डब्लयू आईएफ . जवाहरलाल नेहरु विश्वविघालय और आई आई एम मुंबई ने तैयार किया है. ये एक ऐसा दस्तावेज है जो अस्थिरता के दौर से गुजर रही दुनिया को जिम्मेदारी की एक नई सोच तैयार करने में मदद कर सकती है. खासतौर पर इस समय फिर से ये सोचने की जरुरत है कि विकास का माडल किस तरह से पर्यावरण पूरक और सर्व समावेशी तैयार किया जायेगा जो सतत विकास और सबके विकास के लिए काम आ सके .

आज विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ आर्थिक अस्थिरता, व्यापार युद्ध, जलवायु संकट और सामाजिक असमानता एक साथ गहराते जा रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में रिस्पांसिबल नेशंस इंडेक्स (RNI) का आना केवल एक रैंकिंग नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था के लिए एक वैचारिक चेतावनी है। इस सूचकांक में भारत का 154 देशों में 16वां स्थान प्राप्त करना बताता है कि जिम्मेदारी आधारित विकास मॉडल आज भी प्रासंगिक और आवश्यक है।

इस रैंकिंग को डब्लयू आईएफ . जवाहरलाल नेहरु विश्वविघालय और आई आई एम मुंबई ने तैयार किया है. ये एक ऐसा दस्तावेज है जो अस्थिरता के दौर से गुजर रही दुनिया को जिम्मेदारी की एक नई सोच तैयार करने में मदद कर सकती है. खासतौर पर इस समय फिर से ये सोचने की जरुरत है कि विकास का माडल किस तरह से पर्यावरण पूरक और सर्व समावेशी तैयार किया जायेगा जो सतत विकास और सबके विकास के लिए काम आ सके .

सो सुख राम नाम अस धामा
अखिल लोक दयाक विश्राम।।
राम जमन जग मंगल हेतू
सत्य संघ पालक श्रुति सेतु।।

पौराणिक साहित्य के अनुसार प्रभु श्री राम का जन्म राज करने के लिए नहीं बल्कि समस्त जगत के कल्याण के लिए हुआ था और उसी के अनुरुप उन्होंने लोगों को साथ लेकर समाज के लिए कार्य किया. इसी सोच के साथ ही ये नयी इंडेक्स तैयार की गयी है.

पिछले कुछ दशकों में दुनिया ने जिस पूंजीवादी मॉडल को अपनाया, वह मुनाफे, उपभोग और प्रतिस्पर्धा पर आधारित रहा। लेकिन आज वही मॉडल गंभीर सवालों के घेरे में है। अमेरिका जैसी महाशक्ति द्वारा एकतरफा टैरिफ नियम, संरक्षणवादी नीतियाँ और आर्थिक दबाव बनाने की रणनीति ने वैश्विक बाजार में अस्थिरता पैदा की है। इसके दुष्परिणाम विकासशील देशों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी झेलने पड़ रहे हैं। ऐसे समय में रिस्पांसिबल नेशंस इंडेक्स यह स्पष्ट करता है कि किसी देश की ताकत केवल उसकी त्तष्ठक्क् सैन्य क्षमता या बाजार नियंत्रण से नहीं मापी जा सकती। असली ताकत इस बात में है कि वह अपने नागरिकों, पर्यावरण और वैश्विक समुदाय के प्रति कितना उत्तरदायी है। यही कारण है कि अमेरिका और चीन जैसी आर्थिक महाशक्तियाँ इस सूचकांक में पीछे हैं, जबकि सिंगापुर, स्विट्जरलैंड और डेनमार्क जैसे देश शीर्ष पर हैं। आज वैश्विक पूंजीवाद का स्वरूप ऐसा हो गया है जिसमें कुछ देश नियम बनाते हैं और बाकी दुनिया को उन्हें मानने के लिए मजबूर किया जाता है। अमेरिका द्वारा समय-समय पर लगाए जाने वाले एकतरफा टैरिफ केवल व्यापारिक फैसले नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक असंतुलन को बढ़ाने वाले कदम हैं। इससे छोटे और मध्यम देशों की अर्थव्यवस्थाएँ कमजोर होती हैं और वैश्विक सहयोग की भावना को नुकसान पहुँचता है। भारत का इस इंडेक्स में आगे रहना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत ने विकास के साथ-साथ समावेशी सोच, सामाजिक न्याय, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को महत्व दिया है। भारत की विदेश नीति 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना पर आधारित रही है, जो आज की स्वार्थ-प्रधान वैश्विक राजनीति में एक वैकल्पिक रास्ता दिखाती है। रिस्पांसिबल नेशंस इंडेक्स के तीन मुख्य आधार- आंतरिक जिम्मेदारी, पर्यावरण जिम्मेदारी और बाहरी जिम्मेदारी-आज की दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत हैं। जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आर्थिक असमानता और सामाजिक असंतोष जैसी समस्याएँ तभी सुलझेंगी जब देश केवल अपने फायदे के बजाय सामूहिक भलाई के बारे में सोचेंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि इस सूचकांक को तैयार करने में जेएनयू और आईआईएम मुंबई जैसे भारतीय संस्थानों का योगदान रहा। यह दिखाता है कि भारत न केवल नीति-निर्माण में, बल्कि वैचारिक नेतृत्व में भी वैश्विक भूमिका निभा सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि दुनिया जिम्मेदारी आधारित पूंजीवाद (Responsible Capitalism) की ओर बढ़े-जहाँ मुनाफा जरूरी हो, लेकिन मानवता, पर्यावरण और शांति की कीमत पर नहीं। अगर वैश्विक व्यवस्था इसी तरह एकतरफा फैसलों और आर्थिक दबावों पर चलती रही, तो अस्थिरता और टकराव बढ़ते जाएंगे। अंततः, रिस्पांसिबल नेशंस इंडेक्स हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम केवल ताकतवर बनना चाहते हैं या सच में जिम्मेदार राष्ट्र भी। आज की आर्थिक उथल-पुथल में यही नई सोच दुनिया को एक स्थिर, न्यायपूर्ण और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जा सकती है।

रैंकिंग जो ताकत नहीं, जिम्मेदारी मापती है

रिस्पांसिबल नेशंस इंडेक्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह देशों को त्तष्ठक्क् सैन्य शक्ति या बाजार प्रभुत्व के आधार पर नहीं आंकता। इसके बजाय यह देखता है कि कोई देश-

अपने नागरिकों के जीवन स्तर को कितना बेहतर बनाता है, पर्यावरण संरक्षण के प्रति कितना गंभीर है, और वैश्विक शांति व सहयोग में कितना योगदान देता है।

इस इंडेक्स को तैयार करने में तीन वर्षों तक काम किया गया और इसमें विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों तथा वर्ल्ड जस्टिस प्रोजेक्ट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के आंकड़ों का उपयोग किया गया। भारत से जेएनयू और आईआईएम मुंबई जैसे शैक्षणिक संस्थानों ने इसमें बौद्धिक सहयोग दिया।

सूचकांक तीन मुख्य आधारों पर टिका है-

1. आंतरिक जिम्मेदारी (Internal Responsibility)
2. पर्यावरणीय जिम्मेदारी (Environmental Responsibility)
3. बाहरी / वैश्विक जिम्मेदारी (E&ternal Responsibility)

इन तीन आधारों को मापने के लिए सात प्रमुख पैमाने तय किए गए हैं-

- क्वालिटी ऑफ लाइफ
- सुशासन (Governance)
- सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण
- आर्थिक दक्षता
- पर्यावरण संरक्षण
- शांति के लिए प्रतिबद्धता
- अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध

इन सात पैमानों के अंतर्गत कुल 58 संकेतकों के माध्यम से अंतिम स्कोर तय किया गया है। यही कारण है कि यह रैंकिंग केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि नीतिगत और नैतिक मूल्यांकन भी है।

अमेरिका, टैरिफ युद्ध और वैश्विक अस्थिरता

आज की वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल का एक बड़ा कारण एकतरफा आर्थिक फैसले हैं। अमेरिका द्वारा समय-समय पर लगाए जाने वाले टैरिफ, संरक्षणवादी नीतियाँ और 'अमेरिका फर्स्ट' जैसी सोच ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था को कमजोर किया है। इन नीतियों का असर केवल चीन या यूरोप तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएँ भी इससे बुरी तरह प्रभावित होती हैं।

जब दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नियम तोड़कर नियम बनाती है, तो वैश्विक पूंजीवाद का संतुलन बिगड़ता है। यही कारण है कि अमेरिका जैसी आर्थिक महाशक्ति इस जिम्मेदारी आधारित सूचकांक में 66वें स्थान पर है। यह दर्शाता है कि ताकत और जिम्मेदारी के बीच बड़ा अंतर पैदा हो चुका है।

दहेज दानव का अन्त कैसे हो ?

कांतिलाल
मांडोत

आजकल विवाह-शादी का रूप शनैः शनैः विकृत होता जा रहा है। सामान्य और पिछड़े वर्ग जहाँ अपनी परम्परा का निर्वाह कर रहे हैं, वहाँ उच्च और मध्यम वर्ग परम्परा के पाटों में पिसने लगा है। विवाह विवशता में बदल रहा है। समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा इससे घुटन महसूस कर रहा है। क्यों? धर्म का कार्य समाज और व्यक्ति को सुखी एवं मुक्ति का राही बनाने का है। दुःखी व्यक्ति कभी भी धर्म की बात सच्चे मन से सोच ही नहीं सकता। इसलिए यदि हम सच्चे धार्मिक हैं तो व्यष्टि को ही नहीं समष्टि को भी सुखी बनाने का प्रयत्न करें।

विवाह एक सामाजिक प्रक्रिया है। समाज की व्यवस्था को बनाये रखने के लिए विवाह-संस्कार का महत्त्वपूर्ण स्थान है। दुनियाँ के सभी समाजों में, चाहे वे आदिवासी हों, चाहे सुसंस्कृतः विवाह की प्रक्रिया किसी-न-किसी रूप में प्रत्येक समाज में है। कहीं युवती और युवक स्वयं एक-दूसरे का चुनाव करते हैं तो कहीं समाज के बड़े-बुजुर्ग कुल और खानदान के आधार पर अपने बच्चों, की जोड़ी मिलाकर विवाह की अनुमति प्रदान करते हैं।

आजकल विवाह-शादी का रूप शनैः शनैः विकृत होता जा रहा है। सामान्य और पिछड़े वर्ग जहाँ अपनी परम्परा का निर्वाह कर रहे हैं, वहाँ उच्च और मध्यम वर्ग परम्परा के पाटों में पिसने लगा है। विवाह विवशता में बदल रहा है। समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा इससे घुटन महसूस कर रहा है। क्यों? धर्म का कार्य समाज और व्यक्ति को सुखी एवं मुक्ति का राही बनाने का है। दुःखी व्यक्ति कभी भी धर्म की बात सच्चे मन से सोच ही नहीं सकता। इसलिए यदि हम सच्चे धार्मिक हैं तो व्यष्टि को ही नहीं समष्टि को भी सुखी बनाने का प्रयत्न करें।

विवाह गृहस्थाश्रम में जाने की प्रथम सीढ़ी है। प्रत्येक व्यक्ति कभी-न-कभी गृहस्थ का अंग होता है। साधु-संन्यासी भी कभी गृहस्थ के रूप में थे। वे उसी से अलग होकर कुछ दूर चले गये। वे अब सम्पूर्ण समाज के हैं। सम्पूर्ण विश्व के हैं। गृहस्थ अपने परिवार के लिए चिन्ता करता है, तो सन्त समग्र समाज की चिन्ता करता है। वह गृहस्थों-श्रावकों को गृहस्थ-जीवन में रहकर भी मुक्ति के पथ पर बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है। यदि समाज जान-बूझकर दुःखों की चादर ओढ़ना प्रारम्भ कर दे तो फिर वह समाज कलंकित हो जाता है। उस समाज में अशान्ति पैदा हो जाती है। वह समाज घुन लगी लकड़ी की भाँति क्षीण होने लगता है।

जब मानव में भाव-साधना जाग्रत होती है तो द्रव्य-साधना अपने आप छूटने लगती है। मुमुक्ष आत्मा परम तत्त्व को प्राप्त करने के लिये शास्त्र, स्वाध्याय एवं श्रुत में रम जाता है। उससे मन को परम शान्ति का आभास होता है। शान्ति को हम क्रय नहीं कर सकते. शान्ति कहीं बाहर नहीं है। आप जितने बाहर जायेंगे, अशान्ति उतनी ही बढती जायेगी, जितने अपने अन्दर जाओगे, मन के भीतर जाओगे, उतना ही शान्ति का द्वार खुलता जायेगा। अँधेरा सिमटता जायेगा, रोशनी उभरती जायेगी। पर लोग तो अँधेरे के उपासक होने लगे हैं। अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए बहाने बनाने लगे हैं। अपने मन की शान्ति के लिए दूसरों का चैन समाप्त करने पर तुले हैं। ऐसे लोगों का क्या किया जाये ? भाव-साधना के बजाय द्रव्य साधना ही उनके जीवन का उद्देश्य हो गया है। वे उसी में शान्ति अनुभव करते हैं। अभिप्राय यह है कि हमारा मन असंयत हो गया है। जहाँ संयम टूटने लगता है, वहीं पतन प्रारम्भ हो जाता है। आज विवाह-जैसे पवित्र और संस्कारित कार्यों में दरारें पैदा होने लगी हैं। पचास वर्ष पहले का समाज कहाँ चला गया? आज आये दिन ऐसे-ऐसे समाचार सुनने को मिलते हैं, जिनके कारण समाज को सिर झुकाने के लिये विवश होना पड़ता है। जैन समाज की गिनती धन-सम्पन्न समाज में की जाती है। उसमें गलत परम्पराओं का प्रवेश धर्म की धज्जियाँ उड़ाने वाला है। शादी से पहले सौदे होने लगे हैं। लड़का, लड़का न होकर क्रय की वस्तु हो गया है। उसकी बोली लगाई जाने लगी है। जो जितना अधिक दहेज देगा, उसी की लड़की के साथ हम अपने लड़के का विवाह करेंगे। आज योग्यता को गौण कर दिया गया है। पर कब तक ? सोचिए, ठंडे मस्तिष्क से सोचिए। दहेज के पीछे छिपी धारणा पर विचार कीजिए कि भारतीय समाज में लड़की को दहेज क्यों दिया जाता था ?

माता-पिता के लिए लड़के और लड़की दोनों के प्रति समान स्नेह होता है। लड़की और लड़के का पिता की सम्पत्ति पर समान अधिकार होता है, चूँकि लड़की विवाह के पश्चात् पिता का घर छोड़कर पति के घर जाती है, अतः पिता अपनी क्षमता के अनुसार अपने उपार्जित धन का कुछ भाग दान-दहेज के रूप में लड़की को देता है। यह परम्परा सदियों से चली आ रही है, जो वस्तुतः प्रीतिदान का ही रूप है। लेकिन अब तक वर पक्ष कभी भी इसकी माँग नहीं करता था। जो दे दिया वह ले लिया। जब से वर पक्ष ने माँगना प्रारम्भ कर दिया, इस प्रथा का रूप बीभत्स और विकृत हो गया। सगाई-सम्बन्ध से पहले यह चर्चा होती है कि विवाह में कितना धन लगाओगे ? कितना सोना दोगे ? कितना नकद ? सामान क्या-क्या दोगे? हमारी यह शर्त है। यदि लड़की वाला शर्त स्वीकार कर लेता है, तो सम्बन्ध हो जाता है, वरना सुन्दर जोड़ी भी टूट जाती है। माता-पिता के समक्ष लड़के-लड़की चाहते हुए भी कुछ नहीं कर पाते। दहेज का महाराक्षस दीवार बनकर खड़ा हो जाता है। वे दिन अभी अधिक दूर नहीं हुए, जब लड़कों के विवाह हेतु लड़की वालों को रुपया देना होता था। मैं मानता हूँ कि यह भी बुरी बात थी कि कोई पिता रुपये लेकर अपनी लड़की का हाथ लड़के के हाथ में दे। यह तो लड़की को बेचना था। लेकिन आज जो हो रहा है, वह कौन-सा अच्छा है? दहेज देने के लिए लड़की के पिता को विवश किया जा रहा है। लड़की के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है, यहाँ तक कि दहेज के लोभी-पापी भेड़िये लड़की को जलाकर हत्या करने लगे हैं। जहर देकर मारने लगे हैं। यहाँ में यह कहूँगा कि ऐसा करने वाले अपने जीवन में कभी शान्ति प्राप्त नहीं कर सकेंगे। दूसरों की लड़की के साथ अन्याय, अत्याचार करने वालों को यह नहीं भूलना है कि उनके भी लड़की है। वह भी वधू बनकर विदा होगी। समाज को ऊँचा उठाना है तो उच्च वर्ग को आगे आना पड़ेगा। उन्हें मध्यम वर्ग की सिसकी सुननी पड़ेगी। क्या हमसब तैयार हैं? दूसरों के कमाये धन से जीवन निकलने वाला नहीं है।

बालिका विकास के बन्द दरवाजे खोलने का समय

ललित गर्ग

राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का दिन है, जिसकी शुरुआत 2008 में हुई; जिसके माध्यम से बालिकाओं की तस्वीर बदल रही है, जहाँ अब वे शिक्षा, खेल और नेतृत्व में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या और कुपोषण जैसी चुनौतियां अभी भी हैं, जिन्हें 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं और कानूनों से दूर करने का प्रयास जारी है, जिससे वे समाज का गौरव और प्रगति का चेहरा बन सकें। इस दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना, लैंगिक भेदभाव को कम करना, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के महत्व पर जोर देना है। बालिकाएं अब विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा और नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। समाज में बेटियों के प्रति सोच में बदलाव आया है। कानूनी उपाय जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम, पोस्को अधिनियम और सरकारी योजनाएं जैसे मिशन वात्सल्य, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन आदि बालिकाओं के कल्याण के लिए काम कर रही हैं। इन सबके बावजूद आज भी बालिकाएं शोषण एवं भेदभाव का शिकार है। बालिका लिंगानुपात में भले ही सुधार हुआ है, लेकिन बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाएँ अभी भी मौजूद हैं। बालिकाओं में एनीमिया और कम वजन जैसी पोषण संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। पितृसत्तात्मक मानसिकता को खत्म करने और बालिकाओं को समान अवसर देने की आवश्यकता है। आजादी के अमृत काल में भारत स्वयं को एक नए आत्मविश्वास, नई आकांक्षाओं और नए संकल्पों के साथ गढ़ रहा है। इस परिवर्तनशील भारत की सबसे मजबूत आधारशिला यदि कोई है, तो वह है- बालिका। राष्ट्रीय बालिका दिवस आत्ममंथन का अवसर है कि आज हमारी बालिकाएं किस दशा में हैं, किस दिशा में बढ़ रही हैं और समाज उनके लिए कैसा भविष्य रच रहा है। यह भी प्रश्न है कि क्या हम वास्तव में उस भारत का निर्माण कर पा रहे हैं, जहां बालिका जन्म से ही बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता मानी जाए। दोनों हाथ एक साथ को चरितार्थ करते हुए पुरुष एवं नारी दोनों की शक्ति से नया भारत निर्मित हो। पिछले कुछ दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ी है, खेल, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति और उद्यमिता में बालिकाओं और महिलाओं ने असाधारण उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज ग्रामीण भारत की बेटियां भी अंतरिक्ष विज्ञान, स्टार्टअप, सेना और सिविल सेवाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह परिवर्तन संकेत देता है कि आजादी के अमृत काल में महिलाओं और बालिकाओं की भूमिका केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी होगी और यही राष्ट्र के सर्वोच्च शिखर की ओर ले जाने वाली शक्ति बनेगी। लेकिन इस उजली तस्वीर के समानांतर एक कड़वा यथार्थ भी है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। आज भी बालिकाओं और महिलाओं के विरुद्ध अपराध, शोषण, यौन हिंसा, घरेलू अत्याचार, बाल विवाह और साइबर उत्पीड़न जैसी घटनाएं समाज की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। बलात्कार और हिंसा की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं हैं, वे हमारी सामूहिक मानसिकता की विफलता का परिणाम हैं। जब एक बच्ची की सुरक्षा घर, स्कूल, सड़क और डिजिटल दुनिया-कहीं भी सुनिश्चित नहीं होती, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि विकास के दावे अधूरे हैं। नए भारत, विकसित भारत और समता-मूलक भारत की परिकल्पना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच का केंद्रबिंदु नारी-शक्ति और विशेषकर बालिकाओं का सशक्तिकरण है। उनका दृष्टिकोण केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता के रूपांतरण का आह्वान करता है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी अनेक योजनाओं ने बालिका को बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र की पूंजी के रूप में देखने की दृष्टि विकसित की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने बालिकाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं।

खास बात

हरियाणा सरकार की, मंगलसूत्र पहनने की छूट

हरियाणा सरकार ने राज्य में होने वाली स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय की भर्ती परीक्षा में महिला अभ्यर्थियों को मंगलसूत्र पहनने की छूट दी है। वहीं सिख अभ्यर्थियों के लिए 8 इंच तक के कृपाण रखने की अनुमति दी है। अभी तक हरियाणा मैं महिला अभ्यर्थियों को परीक्षा के दौरान मंगलसूत्र भी उतारना पड़ता था। विरोध होने के बाद हरियाणा सरकार को यह आदेश जारी करना पड़ा।

ओवैसी को मुसलमानों के वोट?

महाराष्ट्र में मुंबई महानगर पालिका के चुनाव हुए। इस चुनाव में ओबीसी की पार्टी को बड़ी सफलता मिली है। इसके पहले बिहार में भी ओबीसी की पार्टी के उम्मीदवारों को विधायकों को जीत मिली है ।उसके बाद यह कहा जा रहा है। ओवैसी को अब मुसलमानों के वोट ज्यादा मिल रहे हैं। अभी तक कांग्रेस या अन्य क्षेत्रीय दलों को ही मुसलमानो के वोट मिलते थे। ओवैसी की पार्टी को भी विभिन्न राज्यों में मुसलमानो के वोट मिलने लगे हैं।

पश्चिम बंगाल में उल्लुओं की गिनती

भारत में पहली बार उन लोगों की गिनती का काम पश्चिम बंगाल में शुरू हुआ है। पक्षी प्रेमी संगठन वाचर्स सोसायटी पश्चिम बंगाल वन विभाग के सहयोग से उल्लूओं की गिनती का काम शुरू किया है। इसके बाद उल्लूओं के संरक्षण की नीति तैयार की जाएगी। सर्वे का मकसद शहरीकरण के कारण उल्लुओं की आबादी लगातार घट रही है। यह चिंता का विषय है।

गणतंत्र दिवस में अहिल्याबाई की गौरव गाथा?

बनारस के मणिकरणा घाट में माता अहिल्या देवी की मूर्ति घाट के पुनर्निर्माण के दौरान टूट गई है। जिसके कारण बनारस और प्रयागराज में बवाल मचा हुआ है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड में देवी अहिल्याबाई की मूर्ति के साथ उनकी गौरव गाथा का प्रदर्शन किया जाएगा। इस माध्यम से सरकार के अधिकारियों से जो गलती हुई है। उसका प्रायश्चित करने लोकमाता अहिल्याबाई की गौरव गाथा गणतंत्र दिवस में विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इसके लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, माघ शुक्ल पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथी छटवी, शनिवासरे, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्रे, शिशिर योगे, कौलव करणे, मीन की चंद्रमा, श्रवण रवि 24/41 मूल प्रारंभ दिन के 12/37 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक, योग्य, बुद्धिमान, कुशल ड्राइवर, ट्रांसपोर्टर, ट्रक, बस मालिक, उत्तम व्यापारी, किसान, ठेकेदार, उत्तमवृत्ति वाला, मेहनत करने वाला तथा मालिक होगा।

मेष राशि- समय विफल हो, कार्यगति में बाधा, चिन्ता व्यर्थ भ्रमण कार्य अवरोध होगा।

वृष राशि- इष्ट मित्रों से सुख, अधिकारियों से मेल मिलाप होगा, कार्य अवश्य बनेंगे।

मिथुन राशि- भाग्य का सितारा प्रबल हो, अधिकारियों के सर्मथन से सफलता अवश्य मिलें।

कर्क राशि- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे, ध्यान अवश्य ही दें।

सिंह राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक हो, कुटुम्ब की समस्याएं सुलझे, स्त्री वर्ग से हर्ष होगा।

कन्या राशि- भावनाएं संवेदन शील रहे, कुटुम्ब में सुख व शान्ति के साधन बनेंगे।

तुला राशि- समय अनुकूल नहीं, स्वास्थ्य नरम रहे, किसी धारणा का अंदेशा अवश्य होगा।

वृश्चिक राशि- शरीर, स्त्रीकष्ट, मानसिक उद्विघ्नता, स्वभाव में असमर्थता अवश्य होगी।

धनु राशि- आशानुकूल सफलता स्थिति में सुधार, व्यवसाय गति उत्तम बनेगी।

मकर राशि- व्यर्थ धन का व्यय, मानसिक उद्विघ्नता हानि प्रद होगी, ध्यान अवश्य दें।

कुंभ राशि- इष्ट मित्रों से सहयोग कार्य बनेंगे तथा कार्यगति अनुकूल।

मीन राशि- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

24 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

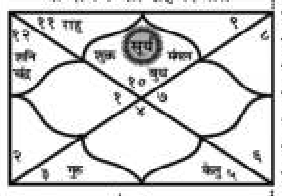

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.56 बजे से
चंद्र	मीन में	मीन	09.29 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.59 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.37 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.51 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.07 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.19 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.30 बजे से
		वृश्चिक	01.44 ब.से
		धनु	04.00 बजे से
		मकर	06.06 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 24 दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 00.40 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 14.16 बजे को समाप्त।
योग शिव 14.02 बजे को समाप्त।
करण कौलव 13.17 बजे तदनन्तर तैतिल 00.40 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 5.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 15'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872599
जूलियन दिन 2461064.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 04
विशेष स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अब कलाकार भी दे रहे सेहत पर ध्यान

हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान ने सेहत के चलते स्टेज शो से लंबे ब्रेक का ऐलान किया। ऐसा करने वाले वह अकेले नहीं हैं। उनसे पहले भी कई सेलेब्स ने करियर के पीक पर होते हुए भी सेहत को प्राथमिकता दी और काम से दूरी बनाई। जाकिर खान ने अपने शो के दौरान खुलासा किया कि वह लंबे समय तक स्टेज से दूर रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला उन्होंने अपनी हेल्थ और निजी कारणों की वजह से लिया है। पिछले करीब दस सालों से जाकिर लगातार टूर कर रहे थे। दिन में लगातार कई शो, नींद की कमी, अनियमित खान-पान और लगातार ट्रैवल, यह सब उनकी सेहत पर भारी पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय तक इस थकान को नजरअंदाज करते रहे, लेकिन अब लगा कि समय रहते रुकना जरूरी है। जाकिर ने बताया कि वह 2028-29 या 2030 के आसपास ही स्टेज पर वापसी करेंगे।

जाकिर से पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी भी ऐसा ही कदम उठाया था। फिल्म रॉकस्टार से शानदार डेब्यू करने वाली नरगिस से लोगों को काफी उम्मीदें

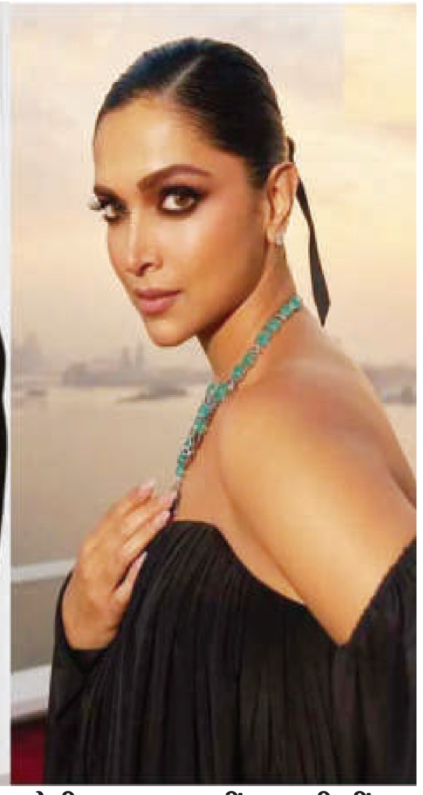

थीं, लेकिन लगातार काम और अपेक्षाओं का दबाव उन्हें अंदर से तोड़ने लगा। नरगिस ने बाद में इस पर खुलकर बात की और एक इंटरव्यू में बताया कि कि वह मानसिक रूप से ठीक महसूस नहीं कर रही थीं। साल 2016-17 के आसपास उन्हें एहसास हुआ कि काम उन्हें खुशी नहीं दे रहा है। बैक-टू-बैक फिल्में, इंडस्ट्री का प्रेशर और अपने परिवार व दोस्तों से दूरी, इन सबने मिलकर उन्हें मानसिक तनाव में डाल दिया। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग से ब्रेक लेने का फैसला किया और न्यूयॉर्क जाकर अपने परिवार के साथ वक्त बिताया। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में यह डर दिखाया जाता है कि अगर आप ब्रेक लेंगे तो लोग आपको भूल जाएंगे, लेकिन उनके लिए उस वक्त मेंटल और फिजिकल हेल्थ ज्यादा जरूरी थी।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु की कहानी भी प्रेरक है। सामंथा को मायोसाइटिस जैसी गंभीर बीमारी का सामना करना पड़ा। इस बीमारी के चलते उन्हें शूटिंग छोड़नी पड़ी और इलाज के लिए अमेरिका जाना पड़ा। उस समय वह करियर के बेहतरीन दौर में थीं, लेकिन उन्होंने बिना किसी झिझक के ब्रेक लिया। इलाज और रिकवरी के बाद सामंथा ने दोबारा काम शुरू किया, अपनी फिल्मों की शूटिंग पूरी की। उनका कहना है कि अगर आपकी सेहत आपका साथ नहीं दे रही, तो स्टारडम भी फीका लगता है।

डॉन 3 में नजर आ सकते हैं शाहरुख और कृति सेनन

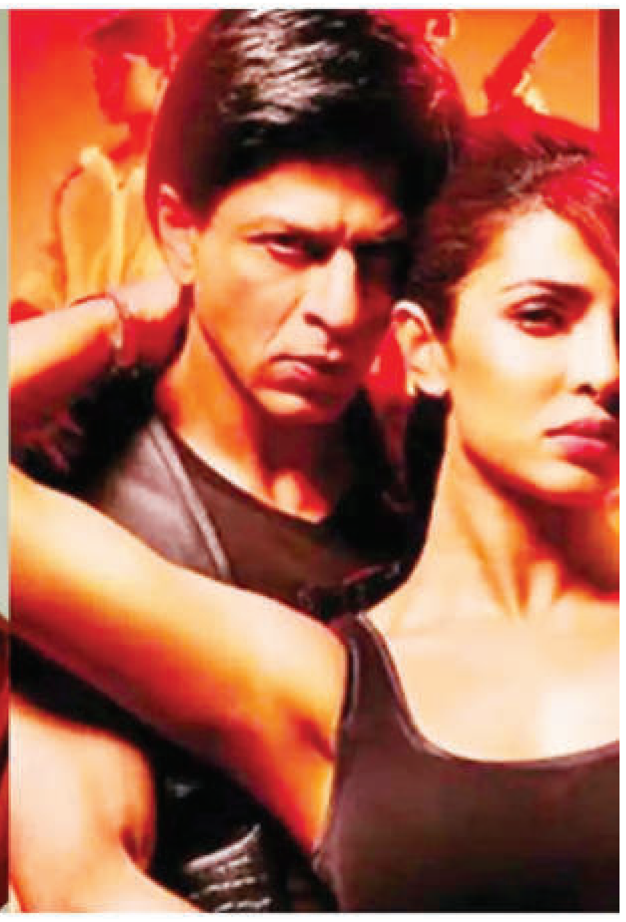

फिल्म डॉन 3 में अभिनेता शाहरुख खान और कृति सेनन नजर आ सकते है। माना जा रहा है कि डॉन 3 को लेकर निर्देशक फरहान अख्तर के सामने एक शर्त रखी है। कहा जा रहा है कि शाहरुख तभी फिल्म में काम करने के लिए तैयार होंगे, जब 'जवान' के निर्देशक एटली भी इस प्रोजेक्ट से जुड़ेंगे। 'जवान' में शाहरुख और एटली की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी। ऐसे में माना जा रहा है कि शाहरुख उसी सफल संयोजन को दोहराना चाहते हैं। हालांकि, अब तक इस पूरे मामले पर फिल्म की टीम या शाहरुख खान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। गौरतलब है कि डॉन फ्रेंचाइजी के पहले और दूसरे भाग में शाहरुख खान ने ही लीड रोल निभाया था और उनका स्टाइलिश अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया था। इसके बाद फरहान अख्तर ने डॉन 3 के लिए रणवीर सिंह को कास्ट करने का फैसला लिया, लेकिन पिछले साल खबर आई कि रणवीर ने फिल्म छोड़ दी है।

रणवीर के बाहर होने के बाद से ही प्रोजेक्ट को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। फिल्म की लीड एक्ट्रेस को लेकर भी लगातार बदलाव देखने को मिले हैं। पहले कहा जा रहा था कि रणवीर सिंह के अपोजिट कियारा आडवाणी नजर आएंगी, लेकिन बाद में यह खबर सामने आई कि कियारा भी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। अब रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी जगह कृति सेनन को लीड एक्ट्रेस के तौर पर कास्ट किया जा सकता है। इसके अलावा डॉन 3 के विलन को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। खबरों के मुताबिक मेकर्स ने इस अहम किरदार के लिए विक्रांत मैसी और विजय देवरकोंडा से संपर्क किया था, लेकिन दोनों ही अभिनेताओं ने इस ऑफर को ठुकरा दिया।

रियलिटी शो द 50 के प्रीमियर में नजर आयेंगी अभिनेत्री रिद्धि डोगरा

रियलिटी शो द 50 का प्रीमियर 1 फरवरी को होने जा रहा है, जिसमें अभिनेत्री रिद्धि डोगरा भी नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस शो को वह खुद को चुनौती देने और कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का बड़ा मौका मानती हैं। रिद्धि डोगरा हमेशा मुश्किलों से सीखकर आगे बढ़ने में यकीन रखती हैं। उनके अनुसार, एक एक्टर के तौर पर वह लगातार कुछ न कुछ सीखने में विश्वास रखती हैं और खुद को उन दायरों से बाहर निकालने के तरीके तलाशती हैं, जहां एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। वह कहती हैं, 'एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा सीखने और खुद को उस दायरे से बाहर निकालने के नए तरीके ढूंढती रहती हूं, जिसमें एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं।'

रिद्धि इस शो को एक खास चैलेंज के रूप में देख रही हैं, जो उन्हें नई जगहों की खोज करने का मौका देगा। खास बात यह है कि द 50 में वह कोई किरदार नहीं निभा रही हैं, बल्कि खुद के असली रूप में सामने आएंगी। वह बताती हैं, 'यह शो मुझे एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका देता है, जहां कोई किरदार नहीं है। मैं बस खुद के रूप में सामने आऊंगी और दर्शक मुझे देखेंगे जब मैं अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर बेहतर पेश करूंगी।' अभिनेत्री प्रशंसकों के समर्थन और प्यार को अपना सबसे बड़ा सहारा मानती हैं। वह कहती हैं कि उनके फैंस और शुभचिंतक उनके पंख हैं, जो उन्हें उड़ान भरने की ताकत देते हैं। रिद्धि अपने सफर के हर पल को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं। फराह खान इस शो को होस्ट करेंगी, शो का प्रीमियर जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर होगा, जहां रिद्धि एक मजबूत दावेदार के रूप में नजर आएंगी।द 50 रियलिटी शो में 50 हस्तियां हिस्सा लेंगी, जो शो में कई चुनौतियों का सामना करती नजर आएंगी।

'मर्दानी 3' में पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आयेंगी रानी

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मर्दानी 3' में अभिनेत्री रानी मुखर्जी अपने लोकप्रिय किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में नजर आ रही हैं, जो एक निडर और साहसी पुलिस अधिकारी हैं। इस बार कहानी 93 लापता लड़कियों को बचाने की जंग पर केंद्रित है, जिसमें शिवानी समय के खिलाफ दौड़ लगाते हुए अपनी जान तक जोखिम में डाल देती हैं। यश राज फिल्म्स की इस फिल्म के ट्रेलर को मिल रहे अपार प्यार पर प्रतिक्रिया देते हुए रानी मुखर्जी ने इसे अपने लिए बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि शिवानी शिवाजी रॉय ऐसा किरदार नहीं है जिसे वह कैमरा कट होते ही भूल जाएं। रानी के मुताबिक, इस किरदार के जरिए उन्होंने सेवा, साहस और जिम्मेदारी का असली अर्थ समझा है। उन्होंने यह भी कहा कि साहस अक्सर अकेला होता है और यही बात इस किरदार को और भी खास बनाती है।

रानी ने भारतीय पुलिस बल के प्रति गहरा सम्मान जताते हुए कहा कि देश की पुलिस फोर्स बिना किसी शिकायत और बिना किसी तमगे की उम्मीद के, चुपचाप देश की सेवा करती है। रानी मुखर्जी ने 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी को पूरी पुलिस फोर्स को समर्पित करते हुए खास तौर पर महिला अधिकारियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों को अक्सर ज्यादा सवालों और संदेह का सामना करना पड़ता है, इसके बावजूद वे मजबूती और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों को निभाती हैं। रानी ने कहा कि 'मर्दानी 3' का अस्तित्व इन्हीं जांबाज महिला अधिकारियों की वजह से है, जो ताकत और करुणा के साथ नेतृत्व करती हैं। रानी का मानना है कि ट्रेलर को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का सबूत है कि समाज आज भी अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जब कुछ गलत होता है तो लोगों को गुस्सा आता है और जब कोई असहायों की रक्षा के लिए खड़ा होता है तो गर्व महसूस होता है। यही भावना 'मर्दानी 3' की आत्मा है। अभिराज मीनावाला के निर्देशन में बनी और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित 'मर्दानी 3' सामाजिक मुद्दों पर आधारित अपनी परंपरा को आगे बढ़ाती है। जहां पहली फिल्म ने मानव तस्करी और दूसरी ने एक सीरियल रेपिस्ट की मानसिकता को उजागर किया था, वहीं तीसरी किस्त समाज की एक और कड़वी सच्चाई से पर्दा उठाती है।

ए आर रहमान को कंगना ने पक्षपाती और नफरत से भरा इंसान बताया

सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने मशहूर म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान के हालिया बयान को लेकर तीखा हमला बोला। कंगना ने रहमान के इंटरव्यू का वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें लंबे समय से भेदभाव और पक्षपात का सामना करना पड़ा है, सिर्फ इसलिए कि वह एक भगवा पार्टी का समर्थन करती हैं।

इसके बावजूद कंगना ने कहा कि उन्होंने एआर रहमान से ज्यादा पक्षपाती और नफरत से भरा इंसान नहीं देखा। उन्होंने लिखा, 'डियर एआर रहमान जी, मुझे फिल्म इंडस्ट्री में बहुत ज्यादा भेदभाव और पक्षपात का सामना करना पड़ता है क्योंकि मैं एक भगवा पार्टी को सपोर्ट करती हूं, फिर भी मुझे कहना होगा कि मैंने आपसे ज्यादा भेदभाव करने वाला और नफरत करने वाला इंसान नहीं देखा।' कंगना ने आगे बताया कि वह अपनी डायरेक्टोरियल फिल्म 'इमरजेंसी' के लिए रहमान से मिलना चाहती थीं, लेकिन उन्होंने मिलने से मना कर दिया। कंगना ने कहा कि उन्हें बताया गया कि रहमान किसी प्रोपेगेंडा फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहते। उन्होंने बताया कि फिल्म 'इमरजेंसी' को आलोचकों ने मास्टरपीस कहा और विपक्षी नेताओं ने भी इसकी तारीफ की, लेकिन रहमान ने इसे अपनी नफरत और पक्षपात के चलते नजरअंदाज किया। कंगना ने लिखा, 'मुझे आपके लिए दुख होता है।' वर्क फ्रंट की बात करें तो कंगना रनौत आखिरी बार फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आई थीं, जो पिछले साल जनवरी में रिलीज हुई थी।

हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन इसके बावजूद कंगना लगातार अपने बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। फिलहाल उन्होंने किसी नए फिल्म प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है, लेकिन उनकी बहस और विवादों वाली छवि उन्हें लगातार चर्चा में बनाए रखती है। बता दें कि एआर रहमान के हालिया बयान ने फिल्म इंडस्ट्री और सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। रहमान ने एक्टर विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' को लेकर टिप्पणी की थी, जिसमें उन्होंने इसे समाज को बांटने वाली फिल्म बताया। इस बयान के बाद कई हस्तियों और फैंस ने अपने विचार रखे।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश बोर्ड को टी20 विश्वकप का बहिष्कार पड़ेगा भारी

मुम्बई। बांग्लादेश ने अगले माह भारत में होने वाले टी20 विश्वकप का बहिष्कार किया है पर ये उसे काफी भारी पड़ेगा। एक अनुमान के अनुसार इससे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को 200 करोड़ से अधिक का नुकसान होगा एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर बांग्लादेश इस टूर्नामेंट से बाहर होता है तो बीसीबी को 240 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह रकम मुख्य रूप से आईसीसी के सालाना राजस्व हिस्सेदारी से जुड़ी है और इससे ही बीसीबी को सबसे अधिक आय होती है। इसके अलावा प्रसारण अधिकारों और प्रायोजन से होने वाली रकम भी उसे नहीं मिलेकी। इससे उसकी आय में 60 फीसदी या उससे भी अधिक की गिरावट आ सकती है। इसके अलावा उसके इस फैसले से तय है कि भारतीय टीम अगस्त-सितंबर में होने पाले बांग्लादेश दौरे से भी हट जाएगी। ऐसे में बांग्लादेश को उस सीरीज से होने वाली आय भी गंवानी पड़ेगी।

रिंकू बेहतरीन फिनिशर, उन्हें लगातार अवसर दिये जायें:साइमन डूल

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने क्रिकेटर रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक बेहतरीन फिनिशर है पर उसे अभी तक भारतीय टीम में काफी कम अवसर मिले हैं। साइमन ने कहा कि जब भी अवसर मिला है रिंकू ने अपने को साबित किया है। रिंकू ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 में केवल 20 गेंदों पर ही चार चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 44 रन बनाए। इसी को देखते हुए साइमन ने कहा कि रिंकू की क्षमता और निरंतरता को देखते हुए वह अब तक उन्हें काफी ज्यादा मैच खेल लेने थे। साथ ही कहा कि अब जबकि उनकी प्रतिभा सभी ने देखी है तब उन्हें नियमित रुप से टीम में जगह मिलनी चाहिए थी।

गावस्कर ने वरुण ओर अभिषेक को सराहा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा कि वरुण वास्तव में गेंदबाजी का जादूगर है। वह अपनी विविधताओं से भरी गेंदों से बल्लेबाजों को हैरान कर देता है। गावस्कर ने कहा, 'वरुण पहले मैच में थोड़ा कम लय में दिख रहा था पर इसके बाद भी उसने विकेट निकाल दिये। जब बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे तब भी उसकी इकॉनमी रेट काफी अच्छी रही थी।

गिल की कप्तानी में पंजाब दो दिन में हारा

सौराष्ट्र 194 रन से जीता, सरफराज का दोहरा शतक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रणजी ट्रॉफी के छठे राउंड के दूसरे दिन शुभमन गिल की कप्तानी वाली पंजाब टीम को सौराष्ट्र के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। टर्निंग पिच पर खेले गए इस मुकाबले में पंजाब दूसरी पारी में सिर्फ 125 रन पर सिमट गई। पहली पारी की बढ़त के दम पर सौराष्ट्र ने 194 रन से मैच जीत लिया और दो दिन के भीतर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया।

उधर, मुंबई के लिए सरफराज खान ने दोहरा शतक लगा दिया। उन्होंने 227 रन की जबरदस्त पारी खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ मुंबई को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सरफराज ने पारी में 19 चौके और 9 सिक्स भी लगा दिए।

गिल फिर सस्ते में आउट सौराष्ट्र ने पंजाब के खिलाफ दो दिन में मुकाबला खत्म किया। दूसरी पारी में पार्थ भुट और धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने पांच-पांच विकेट लिए। सौराष्ट्र ने पहली पारी में 33 रन की बढ़त लेने के बाद दूसरी पारी में 286 रन बनाए, जबकि स्कोर 75/5 तक गिर चुका था।

319 रन का लक्ष्य पंजाब के लिए टर्नर पर असंभव साबित हुआ और टीम 125 पर सिमट गई। शुभमन गिल का यह मैच खराब रहा और उन्होंने 0 व 14 रन बनाए।

झारखंड ने 561 रन बनाए अन्य मुकाबलों में झारखंड ने उत्तर प्रदेश के खिलाफ पहली पारी में 561 रन बनाकर दबदबा बना लिया। बंगाल ने सर्विसेज के सामने 519 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। मध्य प्रदेश के खिलाफ कर्नाटक की टीम संघर्ष करती नजर आई, जबकि छत्तीसगढ़ ने दिल्ली के खिलाफ खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा लिया है।

ओडिशा के खिलाफ तमिलनाडु ने भी मैच पर मजबूत पकड़ बना ली है। बेहतरीन गेंदबाजी के बाद तमिलनाडु ने स्टंप्स तक कुल 164 रन की बढ़त हासिल कर ली, जिससे उसकी जीत की राह आसान होती दिख रही है।

विदर्भ से यश का शतक विदर्भ के यश राठौड़ के शतक से टीम ने 45/4 से उबरते हुए आंध्र के खिलाफ 295 रन बनाए। राठौड़ ने 115 रन की पारी खेली, जबकि निचले क्रम में दर्शन नालकंडे (36) और नचिकेत भुटे के योगदान से विदर्भ को पहली पारी में 75 रन की बढ़त मिली।

सरफराज खान का दोहरा शतक मुंबई के लिए सरफराज खान ने 227 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 19 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। यह पारी लगभग रन-ए-बॉल से भी तेज रही। सिद्धेश लाड ने शतक लगाया, जबकि सुवेद पारकर ने 75 रन जोड़े। जवाब में हैदराबाद की शुरुआत खराब रही, लेकिन गहलौत सिंह और कोडिमेला हिमतेजा ने पारी संभाली।

चंडीगढ़ को बढ़त मनन वोहरा और अर्जुन आजाद के शतकों से चंडीगढ़ ने केरल के खिलाफ बड़ी बढ़त बना ली। पहली पारी में 277 रन की लीड लेने के बाद केरल को 257 रन और बनाने थे, लेकिन वह 21/2 पर फंस गया और पारी से हार का खतरा मंडराने लगा। ऋतुराज ने 66 रन बनाए ऋतुराज गायकवाड के 111 गेंदों में 66 और सौरभ नवल के नाबाद 95 रनों से महाराष्ट्र ने गोवा के खिलाफ 97 रन की बढ़त हासिल कर ली, जबकि उसके दो विकेट शेष थे। आयुष पांडे और अग्रिम तिवारी के शतकों से छत्तीसगढ़ ने दिल्ली पर 135 रन की बढ़त बना ली।

डब्ल्यूपीएल : यूपी को हराकर दूसरे नंबर पर पहुंची गुजरात जाएंट्स

नई दिल्ली। गुजरात जाएंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में यूपी वॉरियर्स को 45 रनों से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। वहीं गुजरात की जीत से मुम्बई इंडियंस तीसरे नंबर पर खिसक गयी है। मुम्बई को पिछले तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

गुजरात ने अभी तक डब्लयूपीएल 2026 में 6 मैच खेले हैं, तीन में उन्हें जीत मिली है वहीं तीन मुकाबलों में वह हारी है। इससे उसके 6 अंक हैं। वहीं मुंबई को अभी तक 6 मैचों में से केवल दो मैचों में ही जीत मिली है। मुंबई को अगर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना है तो बचे दोनों मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	नो रिजल्ट	पॉइंट्स	नेट रन रेट
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	5	5	0	0	10	+1.882
गुजरात जाएंट्स	6	3	3	0	6	-0.341
मुंबई इंडियंस	6	2	4	0	4	+0.046
दिल्ली कैपिटल्स	5	2	3	0	4	-0.586
यूपी वॉरियर्स	6	2	4	0	4	-0.769

कोर्ट पर दिखा हाई वोल्टेज ड्रामा, लक्ष्य का सफर खत्म

पीवी सिंधु को मैच के दौरान रेड कार्ड

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में पीवी सिंधु को चेन यू फी के खिलाफ मुकाबले के दौरान रेड कार्ड दिखाया गया, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया। हालांकि, इसके बाद सिंधु ने शानदार जज्बा दिखाया, लेकिन वह मैच पलटने में नाकाम रहीं और टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट में सफर क्वार्टरफाइनल में ही थम गया। शुक्रवारको खेले गए मुकाबले में सिंधु को शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की चेन यू फी के हाथों सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। चेन यू फी ने यह मुकाबला 21-13, 21-17 से अपने नाम किया।

कोर्ट पर दिखा जबरदस्त ड्रामा: मैच के दौरान जकार्ता के कोर्ट नंबर 1 पर काफी ड्रामा देखने को मिला। दूसरे गेम में 12-17 से पीछे चल रही सिंधु ने एक लाइन कॉल को लेकर नाराजगी जताई, जिसके चलते उन्हें पहले पीला कार्ड और फिर लाल कार्ड दिखाया गया। हालांकि, बाद में मैच रेफरी के हस्तक्षेप के बाद लाल कार्ड को रद्द कर दिया गया। लाल कार्ड हटने के बाद सिंधु ने जबरदस्त जज्बा दिखाया और लगातार अंक जीतते हुए स्कोर 17-18 तक पहुंचा दिया। लेकिन अंत में वह इस लय को बरकरार नहीं रख सकीं और दूसरा गेम 17-21 से गंवा बैठीं। पहले गेम में चेन यू फी पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने सिंधु के बैकहैंड पर हाफ स्मैश और फिर फोरहैंड पर तेज स्मैश लगाकर दबाव बनाया। सिंधु ने गेम के अंत में कुछ बेहतरीन नेट शॉट्स खेले, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

लक्ष्य सेन भी बाहर, थाई खिलाड़ी ने किया उलटफेर: भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन भी इंडोनेशिया मास्टर्स में आगे नहीं बढ़ सके। क्वार्टरफाइनल में उन्हें थाईलैंड के 21 वर्षीय पनिचापोन तीरारत्साकुल के हाथों करीबी मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। कोर्ट नंबर 2 पर खेले गए इस मैच में थाई खिलाड़ी की रफ्तार और लगातार स्मैशों के सामने लक्ष्य सेन संघर्ष करते नजर आए। दुनिया में 12वें स्थान पर काबिज और सातवें वरीय लक्ष्य सेन को विश्व रैंकिंग में 44वें स्थान पर मौजूद पनिचापोन ने 20-18, 22-20 से हराया। हालांकि, लक्ष्य की डिफेंस काबिले-तारीफ रही, लेकिन निर्णायक मौकों पर थाई खिलाड़ी ने बाजी मार ली। पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन की हार के साथ ही इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। अब भारतीय खिलाड़ी आगामी टूर्नामेंट्स में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे।

आरएनटीयू एनसीसी कैडेट ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग ले रहे है

भोपाल ■ निसं

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के तत्वावधान में 12 से 23 जनवरी 2026 तक श्री विजयपुरम, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 12 दिवसीय इस शिविर को एनसीसी निदेशालय (तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं अंडमान-निकोबार) द्वारा आयोजित किया जा रहा है , जिसका उद्देश्य मुख्यभूमि के युवाओं को द्वीपों के सामरिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक वातावरण से परिचित कराना तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना था।

कैडेट कैप्टन निखिल कुमार वर्मा, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) एनसीसी, 1 एमपी नेवल यूनिट एनसीसी, भोपाल ने इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के शिविर में विश्वविद्यालय एवं मध्यप्रदेश निदेशालय और छत्तीसगढ़ का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व किया।

शिविर का आयोजन 108 माउंटेन ब्रिगेड, ब्रिचगंज, जो श्री विजयपुरम से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित है, में किया जा रहा है। शिविर में एनसीसी के तीनों विंग-थल सेना, नौसेना एवं वायु सेना-के कैडेटों ने भाग लिया, जिससे आपसी सद्भाव एवं सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा मिला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कैडेटों ने रॉस द्वीप (फेरी द्वारा), सेलुलर जेल (लाइट एंड साउंड शो), समुद्रिका, वन एवं मानव विज्ञान संग्रहालय, माउंट हैरियट, मत्स्य संग्रहालय / चैथम सॉ मिल, वांडूर द्वीप, बाराटांग लाइमस्टोन गुफाएँ सहित विभिन्न स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है साथ ही कैडेट्स स्कूबा डाइविंग जैसी साहसिक गतिविधियों में भाग ले रहे है। इन गतिविधियों से कैडेटों को भारत की समुद्री विरासत, स्वतंत्रता संग्राम, पर्यावरणीय विविधता एवं द्वीपों के सामरिक महत्व की गहन जानकारी प्राप्त हो रही है।

इस शिविर का उद्देश्य कैडेटों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीम भावना, सहनशक्ति, साहस एवं आत्मविश्वास का विकास करना तथा उनमें साहसिक भावना और देशभक्ति को सुदृढ़ करना है।

व्यापार समाचार

अदाणी समूह के शेयरों में बड़ी गिरावट

अमेरिकी समन और कमजोर नतीजों के बाद 13% तक टूटे भाव

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अदाणी समूह की कंपनियों के लिए शुक्रवार का दिन भारी उथल-पुथल वाला रहा। अमेरिकी रेगुलेटर की कार्रवाई से जुड़ी खबरों और कुछ प्रमुख कंपनियों के निराशाजनक तिमाही नतीजों के चलते समूह के शेयरों में 13 प्रतिशत तक की भारी गिरावट देखी गई। इस बिकवाली के दबाव ने पूरे बाजार पर असर डाला और बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स-निफ्टी फिसल गए।

अमेरिका के शेयर बाजार नियामक का समन: बाजार में घबराहट का मुख्य कारण वे खबरें रहीं, जिनमें कहा गया कि एसईसी यानी अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (अमेरिका में शेयर बाजार के नियामक) ने गौतम अदाणी और सागर अदाणी को समन भेजने के लिए अदालत से मंजूरी मांगी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एसईसी ने न्यूयॉर्क की ब्रुकलिन कोर्ट को बताया कि भारतीय अधिकारियों से समन तामील कराने में उसे मदद नहीं मिल रही है। इसलिए उसने अब ईमेल के जरिए नोटिस भेजने की अनुमति मांगी है। यह मामला कथित धोखाधड़ी और 265 मिलियन डॉलर के रिश्वत कांड से जुड़ा है। नवंबर 2024 में दायर मुकदमे में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड से संबंधित भ्रामक बयान देने और अमेरिकी प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था।

कमजोर नतीजों ने भी बिगाड़ा खेल: एएसईसी से जुड़ी खबरों के बीच, अदाणी समूह की कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों ने भी आग में घी का काम किया। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का शेयर 13.20% गिरकर 785 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी ने दिसंबर तिमाही 2025 के लिए केवल 5 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट हासिल किया। यह पिछले वित्तीय वर्ष की समान तिमाही के 474 करोड़ रुपये के मुकाबले 99% की भारी गिरावट है। बड़े खर्चों के कारण के कारण अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) का शुद्ध लाभ 8% गिरकर 574.06 करोड़ रुपये रह गया, जिससे इसके शेयरों में 10.57% की गिरावट आई और यह 827.20 रुपये पर बंद हुआ।

समूह के शेयर टूटने से पूरे बाजार पर असर: अदाणी समूह के शेयरों पर दोहरी मार पूरे बाजार पर दिखा। फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 9.38% टूटकर 1,891.60 रुपये पर आ गया। अदाणी पावर 8.84% गिरकर 128.35 रुपये, अदाणी पोर्ट्स 7.81% गिरकर 1,303.35 रुपये और अदाणी टोटल गैस 7.55% गिरकर 507 रुपये पर बंद हुआ। समूह की अन्य कंपनियों जैसे अंबुजा सीमेंट्स (-5.98%), एनडीटीवी (-5.31%) और एसीसी (-2.76%) में भी गिरावट दर्ज की गई। इस दबाव के चलते बीएसई सेंसेक्स 769.67 अंक गिरकर 81,537.70 पर और निफ्टी 241.25 अंक फिसलकर 25,048.65 पर बंद हुआ।

अदाणी समूह ने अपने पक्ष में क्या कहा है?: समूह ने रिश्वत देने और सोलर पावर कॉन्ट्रैक्ट्स हासिल करने के लिए अनुचित लाभ उठाने के अमेरिकी अभियोजकों के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि 'अदाणी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग और एसईसी के आरोप निराधार हैं।'

क्या 2035 तक करियर का कोई तय रास्ता नहीं?

एआई और ऑटोमेशन के बढ़ते दबदबे को लेकर रिपोर्ट का दावा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अकाउंटेंसी समेत कई पेशों में पारंपरिक करियर मॉडल बदल रहा है। 2035 तक करियर को लेकर अनिश्चितता बढ़ेगी, इसलिए पेशेवरों को लगातार सीखने और नए कौशल अपनाने की जरूरत होगी। जानें रिपोर्ट का दावा।

अकाउंटेंसी पेशे में पारंपरिक, सीधी करियर सीढ़ी अब धीरे-धीरे खत्म हो रही है। उसकी जगह अधिक लचीले व व्यक्तिगत करियर रास्ते ले रहे हैं। यह बात एसीसीए की नई रिपोर्ट में सामने आई है।

2035 तक करियर को लेकर सबसे बड़ी अनिश्चितता होगी: 'करियर पाथों की पुनर्कल्पना : कार्य जगत में बदलाव' शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार, तकनीकी प्रगति, जलवायु परिवर्तन और बदलती सामाजिक अपेक्षाओं के चलते अकाउंटेंसी पेशा बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि 2035 तक करियर को लेकर सबसे बड़ी सच्चाई अनिश्चितता होगी, इसलिए पेशेवरों को छोटे समय के करियर लक्ष्यों और लगातार सीखने की तैयारी करनी होगी।

रिपोर्ट में बदलाव के आठ प्रमुख कारकों की पहचान की गई है, जिनमें एआई का प्रभाव और व्यक्तिगत प्रेरणाओं में बदलाव शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अकाउंटेंट्स को अपने करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभानी पड़ सकती हैं और तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में टिके रहने के लिए स्थिर रहना अब विकल्प नहीं है।

एआई और ऑटोमेशन इस बदलाव के मुख्य ताकत: हेलेन ब्रांड ने कहा कि पारंपरिक करियर मार्गों की जगह अब अधिक लचीले और व्यक्तिगत रास्ते ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि तकनीक, खासकर एआई और ऑटोमेशन, इस बदलाव की मुख्य ताकत है। हालांकि रिपोर्ट का दृष्टिकोण सकारात्मक है और इसमें कहा गया है कि मशीनें इंसानों का काम खत्म नहीं करेंगी, बल्कि उन्हें बेहतर बनाएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, ऑटोमेशन दोहराए जाने वाले कामों को संभालेगा, जिससे पेशेवर रणनीतिक और रचनात्मक कार्यों पर ज्यादा ध्यान दे सकेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 'हाइपर-पर्सनलाइज्ड' करियर का चलन बढ़ रहा है, जहां लोग पारंपरिक पदोन्नति की बजाय जीवनशैली और कार्य-जीवन संतुलन को प्राथमिकता दे रहे हैं। खासतौर पर जेनरेशन जी सीखने और विकास को करियर की सीढ़ी चढ़ने से ज्यादा महत्व दे रही है।

रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि भविष्य का कार्यक्षेत्र पहले से ज्यादा अनिश्चित होगा।

केरल ने 14 अरब डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की

तिरुवनंतपुरम। केरल राज्य ने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में 14 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.18 लाख करोड़ रुपये) के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल करने की घोषणा की। राज्य ने भारत का पहला पूर्णत: डिजिटल साक्षर राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया है। नागरिकों के लिए इंटरनेट की पहुंच को मूलभूत अधिकार मानते हुए इंटरनेट स्वतंत्रता को मान्यता दी गई है। राज्य की भूमि पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील होने के कारण केरल ने प्रकृति, लोग, उद्योग का नारा अपनाया है। उद्योग मंत्री पी. राजीव ने बताया कि राज्य ने नई औद्योगिक नीति और देश की पहली पर्यावरण-सामाजिक प्रशासन (ईएसजी) नीति को लागू किया है। इस निवेश योजना में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, स्पेन और अफ्रीकी देशों के निवेशकों से भागीदारी शामिल है।

इंडिगो के खाली स्लॉट आवंटन के लिए सरकार ने आवेदन मांगे

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने 3 से 5 दिसंबर के बीच 2,507 उड़ानें रद्द कीं और 1,852 उड़ानें देर से रवाना हुई। इस परिचालन बाधा के कारण देशभर के हवाई अड्डों पर लगभग 3 लाख यात्री प्रभावित हुए। इस घटना के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 फीसदी कटौती कर दी, जिससे एयरलाइन को कई स्लॉट पर परिचालन बंद करना पड़ा। इंडिगो द्वारा छोड़े गए स्लॉट पर अन्य एयरलाइंस से आवेदन और प्राथमिकताएं मांगी गई हैं। नागर विमानन मंत्रालय के अनुसार, पुनर्वितरण समिति की हाल ही में बैठक हुई थी, जिसमें प्रक्रिया और सिद्धांतों पर चर्चा हुई। एयरलाइंस को अपने आवेदन संबंधित हवाई अड्डा परिचालकों को भेजने होंगे। अंतिम निर्णय भी संबंधित हवाई अड्डा परिचालक ही लेंगे।

हल्की बढ़त के बाद भारतीय बाजार में उतार-चढ़ाव

सेंसेक्स हल्की बढ़त लेकर 82,335 पर, निफ्टी 25300 के करीब

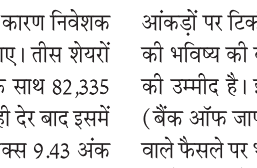

मुंबई, निप्र। एशियाई शेयर बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार ने हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को हल्की बढ़त के साथ शुरुआत की। हालांकि, शुरुआती कारोबार में ही बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक तनावों के कारण निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपनाते नजर आए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 82,335 अंक पर खुला। लेकिन खुलने के कुछ ही देर बाद इसमें कमजोरी दिखने लगी। इसके बाद सेंसेक्स 9.43 अंक की मामूली गिरावट के साथ 82,297.94 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 25,344.60 अंक पर खुला। शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद यह 11.05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,300 के स्तर पर बना रहा। बाजार की चाल पर आज जारी होने वाले अमेरिका के महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों का असर देखने को मिल सकता है। निवेशकों की नजर खासतौर पर अमेरिका की जीडीपी ग्रोथ और कोर महंगाई (मुख्य मुद्रास्फीति) के आंकड़ों पर टिकी हुई है। इन आंकड़ों से फेडरल रिजर्व की भविष्य की ब्याज दर नीति को लेकर संकेत मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, जापान के केंद्रीय बैंक (बैंक ऑफ जापान) की मौद्रिक नीति को लेकर आने वाले फैसले पर भी बाजार की नजर बनी हुई है। माना जा रहा है कि इस फैसले से एशियाई बाजारों की दिशा तय हो सकती है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। वहीं एशियाई बाजारों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान शेयरों में मामूली बढ़त देखी गई।

इंडियन प्रजा कांग्रेस ने पोथला प्रसाद नायडू को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडियन प्रजा कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर पोथला प्रसाद नायडू को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया है, जो देश भर में संगठन के नेतृत्व और पहुंच को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पोथला प्रसाद नायडू लगातार छात्र कल्याण, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लिए एक मजबूत आवाज रहे हैं। इस महत्वपूर्ण पद पर उनकी नियुक्ति पार्टी के नेतृत्व, प्रतिबद्धता और जमीनी स्तर के आंदोलनों के साथ-साथ देश के युवाओं से जुड़ने की उनकी क्षमता में पार्टी के विश्वास को दर्शाती है।

इस घोषणा के बाद, दिल्ली विश्वविद्यालय और विभिन्न अन्य राज्य विश्वविद्यालयों के छात्र पोथला प्रसाद नायडू के प्रति अपना पूरा समर्थन और एकजुटता व्यक्त करने के लिए आगे आए हैं। छात्र संगठनों और प्रतिनिधियों ने छात्र मुद्दों को संबोधित करने, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने और हाशिए पर पड़े और महत्वाकांक्षी युवाओं की चिंताओं को उठाने में उनके निरंतर प्रयासों को स्वीकार किया। इस बाबत राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडियन प्रजा कांग्रेस पी.प्रसाद नायडू , राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष योगेश खेत्रपाल, राष्ट्रीय महासचिव ,हरमन सिंह अध्यक्ष, दिल्ली राज्य ,अब्दुल हमीद अध्यक्ष, जम्मू कश्मीर राज्य ने एक मत से पोथला प्रसाद नायडू के प्रति अपना विश्वास जताया।

इंडियन प्रजा कांग्रेस का मानना है कि कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पोथला प्रसाद नायडू के नेतृत्व में, पार्टी ईमानदारी, समावेशिता और प्रगतिशील दृष्टिकोण से प्रेरित होकर एक जन-केंद्रित राजनीतिक शक्ति के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत करेगी।

फिर महिंद्रा स्कॉर्पियो ने टॉप पोजीशन हासिल की

नई दिल्ली। दिसंबर 2025 के बिक्री के मामले में 4.5 से 4.7 मीटर सेगमेंट में एक बार फिर महिंद्रा स्कॉर्पियो ने टॉप पोजीशन हासिल की है। दिसंबर माह में महिंद्रा स्कॉर्पियो को कुल 15,850 नए ग्राहक मिले, जो सालाना आधार पर 30.26 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। दिसंबर 2024 में यह आंकड़ा 12,195 यूनिट का था, जिससे साफ है कि स्कॉर्पियो की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इस सेगमेंट में दूसरे स्थान पर टाटा हैरियर रही। टाटा हैरियर ने दिसंबर 2025 में 2,378 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 81.94 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी है।

सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने के मामले में पूर्व टीडीबी अधिकारी को जमानत

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में सबरीमला मंदिर से कथित रूप से सोने के गायब होने के मामले में एक अहम कानूनी प्रगति देखने को मिली है। कोल्लम स्थित विजिलेंस अदालत ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी मुरली बाबू को दो मामलों में वैधानिक जमानत दे दी। अदालत ने यह राहत इस आधार पर दी कि मुरली बाबू की गिरफ्तारी के 90 दिन पूरे हो गए, लेकिन विशेष जांच दल (एसआईटी) आरोप पत्र दाखिल करने में विफल रहा। बाबू, जिनके खिलाफ द्वारपालक मूर्तियों और श्रीकोविल के द्वार-फ्रेम से सोने के गायब होने के आरोप हैं, पहले तिरुवनंतपुरम की विशेष उप-जेल में बंद थे। अदालत आदेश के बाद उनकी रिहाई की संभावना है। इससे पहले, मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को भी जमानत मिल चुकी थी। जांच के अनुसार, मुरली बाबू पर आरोप है कि उन्होंने मुख्य आरोपी द्वारा सोने की इलेक्ट्रोप्लेटिंग के प्रस्ताव को त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड को अग्रेषित किया था।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती विवाद से गरमाई सियासत

योगी की तल्खी, केशव की नरमी और फ्रंट फुट पर अखिलेश...

प्रयागराज ■ एजेंसी

प्रयागराज माघ मेले में मौनी अमावस्या के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर छिड़े विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। साधू-संत दो धड़ो में बंट गए हैं तो सियासत भी गर्मा गई है। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के मुद्दे पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव फ्रंटफुट पर खड़े नजर आ रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बिना नाम लिए सख्त तेवर अपनाया तो डिप्टीसीएम केशव प्रसाद मौर्य शंकराचार्य पर नरम नजर आ रहे हैं। मौनी अमावस्या के दिन गंगा स्नान करने जा रहे शंकराचार्य को प्रशासन ने यह कह कर रोक दिया था कि संगम नोज पर भीड़ अधिक है। ऐसे में वाहन लेकर नहीं जा सकते। इस दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अनुयायियों के साथ हाथापाई भी हुई थी।इस घटना के बाद अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ गए, जिसे लेकर इस कड़ाके की ठंड में उत्तर प्रदेश की राजनीति गर्मा गई है।

उत्तर प्रदेश का योगी प्रशासन एक के बाद एक दो नोटिस शंकराचार्य को भेज दी, जिसका अविमुक्तेश्वरनंद ने जवाब देकर भी अपना सख्त तेवर दिखा दिया। मामला लगातार बढ़ता जा रहा है, शंकराचार्य के समर्थन में अखिलेश यादव ही नहीं बल्कि केशव प्रसाद मौर्य भी उतर गए हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि शंकराचार्य विवाद किस दिशा में जा रहा है? 5 दिन से धरने पर बैठे अविमुक्तेश्वरानंद को तेज बुखार: प्रयागराज माघ मेले में 5 दिन से धरने पर बैठे अविमुक्तेश्वरानंद की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें तेज बुखार है। शिष्यों ने बताया, अविमुक्तेश्वरानंद सुबह 10 बजे वैनिटी वैन में चले गए। डॉक्टरों के कहने पर दवा खाई, आराम किया। वसंत पंचमी के चलते बड़ी संख्या में शिष्य अविमुक्तेश्वरानंद का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे थे। हालांकि, जब उनको पता चला कि अविमुक्तेश्वरानंद वैनिटी वैन से बाहर नहीं आए तो वैन के बाहर भीड़ लग गई। करीब 5 घंटे बाद अविमुक्तेश्वरानंद वैनिटी वैन से बाहर आए और पालकी पर बैठ गए हैं। इधर, माघ मेला प्रशासन से शंकराचार्य विवाद पर उनका टकराव खत्म खत्म नहीं हो रहा है। वसंत पंचमी पर उन्होंने संगम स्नान भी नहीं किया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि जब तक प्रशासन माफी नहीं मांगता, तब तक मैं स्नान नहीं करूंगा। प्रशासन नोटिस-नोटिस खेल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

आतंकी पन्नू के खिलाफ एफआईआर दर्ज

__नई दिल्ली।__ 26 जनवरी से पहले दिल्ली में अशांति फैलाने की कथित साजिश रचने के आरोप में सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई पन्नू द्वारा सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो के बाद हुई है। जिसमें उसने दावा किया था कि उसने अपने स्लीपर सेल के माध्यम से दिल्ली के रोहिणी और डाबरी इलाकों में खालिस्तान समर्थक पोस्टर लगाए हैं। स्पेशल सेल ने पन्नू के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 196, 197, 152 और 61 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। यह कदम दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोहों से पहले किसी भी प्रकार की अशांति को रोकने के लिए उठाया गया है। पुलिस के अनुसार, पन्नू ने एक वीडियो जारी कर यह दावा किया था कि उसके संगठन के सदस्यों ने दिल्ली के विभिन्न इलाकों में खालिस्तान के समर्थन में पोस्टर लगाए हैं।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में जैश का आतंकी ढेर

__कठुआ।__ जम्मू-कश्मीर के कठुआ में शुक्रवार दोपहर सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी को मार गिराया। बिलावर इलाके में अभी भी आतंकियों की सर्चिंग जारी है। आईजीपी जम्मू ने आतंकी के मारे जाने की पुष्टि की है। इससे पहले 18 जनवरी को किश्तवाड़ के जंगलों में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों और आतंकियों की मुठभेड़ हुई थी। आतंकियों के ग्रेनेड हमले में 8 जवान घायल हुए थे। 19 जनवरी को एक जवान हवलदार गजेंद्र सिंह इलाज के दौरान शहीद हुए थे। किश्तवाड़ के तरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव के जंगलों में ऑपरेशन त्राशी- 1 जारी है। यहां भी जैश के 2-3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। आतंकियों को पकडऩे के लिए सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कई टीमें इलाके में तैनात हैं। ड्रोन और स्निफर डॉग्स की मदद से जंगलों में तलाशी ली जा रही है।

अमेरिका की गुलामी नहीं करनी... गाजा पीस बोर्ड से भारत रहे दूर

__नई दिल्ली।__ हाल ही में सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र सहित सात मुस्लिम देशों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा शांति बोर्ड में शामिल होने का ऐलान है। वे इजरायल के साथ जुड़ने को तैयार हैं, जो कि पहले ही सार्वजनिक रूप से अपनी भागीदारी की पुष्टि कर चुका है। ट्रंप ने कहा कि व्लादिमीर पुतिन भी शामिल होने के लिए सहमत हुए हैं। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उनका देश अभी भी गाजा पीस बोर्ड के न्यौते पर विचार कर रहा है। भारत को भी इसमें शामिल होने का न्यौता मिला है, लेकिन उसने अभी तक प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार नहीं किया है। मामले से परिचित अधिकारियों ने बताया कि नई दिल्ली इस प्रस्ताव का मूल्यांकन कर रही है। वहीं फ्रांस ने ट्रंप के पीस बोर्ड की पहल से खुद को अलग किया है, जबकि चीन ने सार्वजनिक रूप से यह संकेत नहीं दिया है कि वह इसमें शामिल होने का इरादा रखता है या नहीं। यूनाइटेड किंगडम ने बोर्ड के बदलते कार्यक्षेत्र और रूसी हस्तक्षेप की संभावना के बारे में आशंकाओं जताकर कहा कि वह इस चरण में भाग नहीं लेगा। बात दें कि ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर गाजा पर केंद्रित अपने शांति बोर्ड प्लान का खुलासा किया। हालांकि, भारत, फ्रांस और चीन सहित कई प्रमुख देश इसमें शामिल नहीं हुए। बताया जा रहा है कि 35 देशों ने अमेरिकी पहल पर हस्ताक्षर किए। बोर्ड में शामिल होने वाले देशों में इजरायल, सऊदी अरब, तुर्की, इंडोनेशिया और पाकिस्तान शामिल हैं, लेकिन कई प्रमुख शक्तियों ने इसमें भाग न लेने का विकल्प चुना।

अंतरराष्ट्रीय सट्टेबाजी और हवाला गिरोह का भंडाफोड़

दो करोड़ रुपए और 62 किलो चांदी जब्त

पुलिस ने सूचना पर रमाकांत गुप्ता समेत पांच लोगों को किया गिरफ्तार

कानपुर ■ एजेंसी

कानपुर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय सट्टेबाजी और हवाला में शामिल एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार जानकारी देते हुए बताया कि छापेमारी के दौरान करीब दो करोड़ रुपए और करीब 62 किलोग्राम चांदी जब्त की गई है। अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर एसओजी और स्थानीय पुलिस ने गुरुवार देर रात कलेक्टरगंज के धनकुट्टी इलाके में रमाकांत गुप्ता के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि अन्य गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल जैन, शिवम त्रिपाठी, सचिन गुप्ता और वंशराज के रूप में हुई है। ये सभी आरोपी कानपुर के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। छापेमारी में नकदी और चांदी के अलावा मॉडम, कंप्यूटर और लैपटॉप समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय मुद्रा के साथ-साथ नेपाली मुद्रा भी जब्त की गई है। पुलिस आयुक्त ने घटनास्थल का दौरा कर जांच का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि अपराध के दायरे का पता लगाया जा सके और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके।

उन्होंने बताया कि पुलिस को पिछले कई दिनों से शहर में सट्टेबाजी, हवाला लेनदेन और शेयर बाजार से जुड़ी अवैध गतिविधियों को लेकर सूचनाएं मिल रही थीं। उन्होंने कहा कि इन्हीं सूचनाओं के आधार पर छापा मारा गया, जिसमें दो करोड़ रुपए और करीब उतनी ही कीमत की 61.86 किलोग्राम चांदी बरामद हुई है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पुलिस आगरा के एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सट्टेबाज से आरोपियों के संदिग्ध संबंधों की भी जांच कर रही है, जिसका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने बताया कि बरामद नेपाली मुद्रा के स्रोत की भी पुष्टि की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ और कानूनी कार्रवाई जारी है।

उत्तर प्रदेश में ढाई करोड़ रुपये की एक्सपायर शराब को नष्ट किया

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में आबकारी विभाग ने ढाई करोड़ रुपये की एक्सपायर शराब को नष्ट किया है। यह कार्रवाई पिलखुआ स्थित ओम किरण लॉजिस्टिक पार्क में की गई, जहां भारी मात्रा में एक्सपायर्ड बीयर और व्हिस्की का स्टॉक पड़ा हुआ था। अधिकारियों के अनुसार, यह शराब काफी समय से स्टॉक में रखी गई थी और अब इसका इस्तेमाल या बिक्री संभव नहीं था। इसके बाद इस शराब के नष्टकरण प्रक्रिया को प्रशासनिक अधिकारियों और आबकारी आयुक्त की अनुमति के बाद शुरू किया गया। आबकारी विभाग ने बताया कि यहां कुल 6,188 पेटी बीयर, 92 केन विदेशी शराब की 31 पेटियां और 23 पेटी अन्य शराब की थी, जो कि सभी एक्सपायर हो चुकी थीं। इन सभी को प्रशासन और समिति की निगरानी में रोलर चलवाकर नष्ट कर दिया गया। इस प्रक्रिया में जिला आबकारी अधिकारी सहित कई अधिकारी मौके पर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नियमों के तहत पूरी तरह से की गई है और विभाग एक्सपायर्ड शराब के खिलाफ सख्त है। इसके अलावा, पिछले एक सप्ताह से जिले में शराब की दुकानों, गोदामों और लॉजिस्टिक पार्कों में सघन अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अवैध और एक्सपायर्ड शराब की बिक्री पर रोक लगाई जा सके। विभाग ने यह भी साफ किया कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी और एक्सपायर्ड शराब बेचने या सप्लाई करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह कदम प्रशासन की ओर से शराब के अनुशासन और कानून का पालन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का दावा

एसआईआर के डर के कारण रोजाना तीन-चार लोग कर रहे आत्महत्या

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में जारी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर शुक्रवार को एक बार फिर केंद्र और चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर बढ़ी चिंता के कारण हर दिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर रेड रोड पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।उन्होंने कहा कि इन मौतों की जिम्मेदारी चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अब तक 110 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि एसआईआर के डर के कारण हर दिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर की प्रक्रिया जारी: राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, सुभाष चंद्र बोस और भीमराव आंबेडकर जैसे देश की विभूतियों का अपमान किया जा रहा है।

हाईकोर्ट प्रशासन और वकील आमने-सामने, कार्य बहिष्कार का ऐलान

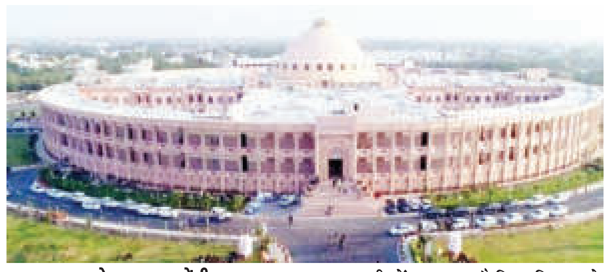

जोधपुर ■ एजेंसी

राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा महीने के दो शनिवार को कार्य दिवस घोषित किए जाने के निर्णय को लेकर जोधपुर मुख्यपीठ में वकीलों और प्रशासन के बीच टकराव गहराता जा रहा है। आगामी शनिवार के लिए हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से कॉज लिस्ट जारी किए जाने के बाद वकीलों में आक्रोश फैल गया। इसके विरोध में शुक्रवार को वकीलों की आपात संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें शनिवार को स्वैच्छिक कार्य बहिष्कार का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

हाईकोर्ट प्रशासन के इस फैसले के विरोध में राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन और राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से बैठक बुलाई। यह बैठक झालामंड बाइपास स्थित राजस्थान हाईकोर्ट परिसर के एडवोकेट्स चैम्बर्स के तृतीय तल पर आयोजित हुई। बैठक में एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रंजीत जोशी, महासचिव डॉ. विजय चौधरी तथा लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप सिंह उदावत और महासचिव डॉ. अरुण कुमार झाझड़िया मौजूद रहे।

वकीलों का कहना है कि शनिवार को कार्य दिवस घोषित करने के निर्णय का वे पहले से ही विरोध कर रहे थे। इस संबंध में एक कमेटी का गठन भी किया गया था, लेकिन कमेटी की रिपोर्ट या निर्णय साझा किए बिना ही प्रशासन ने एकतरफा तरीके से शनिवार के लिए कॉज लिस्ट जारी कर दी। इसे वकीलों ने असहमति और संवादहीनता का उदाहरण बताया।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष 12 दिसंबर 2025 को हुई फुल कोर्ट मीटिंग में लंबित मामलों की संख्या कम करने के उद्देश्य से जनवरी 2026 से हर महीने दो शनिवार को हाईकोर्ट में कामकाज करने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, वकीलों का तर्क है कि शनिवार का दिन केस की तैयारी, शोध और अन्य पेशेवर कार्यों के लिए होता है, ऐसे में इसे नियमित कार्य दिवस बनाना व्यावहारिक नहीं है। वकीलों ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आगे और कड़े कदम उठाए जा सकते हैं। फिलहाल, शनिवार को न्यायिक कार्यों के बहिष्कार से अदालतों के कामकाज पर असर पड़ने की संभावना है।

केरल उच्च न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय: भारत में फिजियोथेरेपिस्टों के अधिकारों की पुष्टि

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में दूरगामी प्रभाव डालने वाले एक ऐतिहासिक निर्णय में, केरल उच्च न्यायालय ने भारतीय फिजियोथेरेपिस्ट संघ के पक्ष में निर्णय सुनाया है। यह निर्णय भारतीय फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन एसोसिएशन द्वारा दायर रिट याचिका संख्या 41064/2025 में दिया गया।

न्यायालय के इस निर्णय का अर्थ है कि योग्य फिजियोथेरेपिस्ट कानूनी रूप से च्च्डॉ.ज्ज् उपसर्ग का उपयोग करने के हकदार हैं और उन्हें बिना अनावश्यक पेशेवर प्रतिबंधों के स्वतंत्र रूप से अभ्यास करने का अधिकार प्राप्त है। यह निर्णय फिजियोथेरेपी को एक वैज्ञानिक, साक्ष्य-आधारित और स्वायत्त स्वास्थ्य सेवा पेशे के रूप में सशक्त कानूनी मान्यता प्रदान करता है।

भारतीय फिजियोथेरेपिस्ट संघ के अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजीव के. झा ने कहा कि यह ऐतिहासिक निर्णय भारत में फिजियोथेरेपिस्टों की स्वतंत्र पेशेवर पहचान, स्वायत्तता और गरिमा को औपचारिक रूप से मान्यता देता है।

माननीय न्यायालय ने भारतीय फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन एसोसिएशन की सभी आपत्तियों को खारिज कर दिया है।

यह निर्णय देशभर के लाखों फिजियोथेरेपिस्टों और फिजियोथेरेपी के विद्यार्थियों के लिए एक निर्णायक और महत्वपूर्ण कदम है। यह रोकथाम, उपचार तथा कार्यात्मक पुनर्स्थापन में फिजियोथेरेपिस्टों की भूमिका को सुदृढ़ करता है और उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के रूप में स्थापित करता है।

इस अवसर पर प्रो. डॉ. संजीव के. झा ने कहा कि यह निर्णय केवल एक कानूनी सफलता नहीं है, बल्कि संपूर्ण फिजियोथेरेपी समुदाय की सामूहिक जीत है। उन्होंने यह भी बताया कि इस फैसले से मरीजों को फिजियोथेरेपी सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिलेगी, नैतिक एवं स्वतंत्र अभ्यास को बढ़ावा मिलेगा तथा शिक्षा और अनुसंधान को मजबूती मिलेगी।

भारतीय फिजियोथेरेपिस्ट संघ ने इस निर्णय को भारत में फिजियोथेरेपी के इतिहास में एक निर्णायक मील का पत्थर बताया है, जो वर्षों की निरंतर पैरवी, एकता और पेशेवर ईमानदारी के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है।

संघ ने देशभर के सभी फिजियोथेरेपिस्टों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने न्याय और पेशेवर मान्यता की इस लड़ाई में एकजुट होकर सहयोग किया।

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

__नोएडा।__ नोएडा के कुछ निजी स्कूलों को ई-मेल के माध्यम से धमकी मिलने की सूचना से हडक़ंप मच गया है। इस गंभीर घटना के तत्काल बाद, उच्चाधिकारियों के निर्देश पर स्थानीय पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। विभिन्न थानों से पुलिस बल, बम स्क्वाड, फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वाड और बीडीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीमों को तुरंत प्रभावित स्कूलों में भेजा गया है। इन विशेष टीमों द्वारा स्कूलों के परिसरों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि किसी भी संभावित खतरे का पता लगाकर उसे निष्क्रिय किया जा सके। नोएडा सेक्टर 62 फादर एंगल स्कूल में बम मिलने की सूचना के बाद मौके पर पुलिसकर्मी पहुंचे। धमकी भरे ई-मेल की तकनीकी जांच के लिए साइबर सेल की टीम भी पूरी तरह से सक्रिय हो गई है। यह टीम ई-मेल के स्रोत का पता लगाने, भेजने वाले की पहचान करने और इसके पीछे की मंशा को समझने का प्रयास कर रही है।

ईरान ने ट्रंप को फिर दी धमकी...

800 कैदियों की फांसी रोकने के दावे को बताया सफेद झूठ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन दावों को पूरी तरह से गलत करार दिया है, जिनमें ट्रंप ने कहा था कि उनके हस्तक्षेप के कारण ईरान ने 800 प्रदर्शनकारियों की फांसी रोक दी है। ईरान ने इसे सफेद झूठ करार दिया है। ईरानी शीर्ष प्रोसेक्यूटर मोहम्मद मोवाहितदी ने कहा कि न तो ऐसी कोई संख्या है और न ही न्यायपालिका ने ऐसा कोई निर्णय लिया है।

ईरान की न्यायपालिका की समाचार एजेंसी 'मिजान' के माध्यम से मोवाहितदी ने कहा कि यह दावा पूरी तरह से झूठ है। ऐसी कोई संख्या मौजूद नहीं है, न ही न्यायपालिका ने कोई निर्णय लिया है। ईरान में शक्तियों का विभाजन है और कोई भी संस्था विदेशी ताकतों के निर्देश नहीं मानती।

दरअसल, राष्ट्रपति ट्रंप ने यह दावा बिना किसी स्रोत का उल्लेख किए किया था। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रमुख अब्बास अराघची का ट्रंप के साथ सीधे संपर्क और अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ के साथ कई दौर की बातचीत की जानकारी के बाद यह संकेत भी मिल रहा है कि यह आंकड़ा विदेश मंत्रालय की ओर से दिया गया हो सकता है।

देश में तनाव और बढ़ती मौतों की संख्या: ईरान में दो हफ्तों से चल रहे इंटरनेट ब्लैकआउट के बीच प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई में मौतों की संख्या कम से कम 5,002 तक पहुंच गई है। मानवाधिकार समूह 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' के अनुसार, इनमें 4,716 प्रदर्शनकारी, 203 सरकारी समर्थक, 43 बच्चे और 40 अन्य नागरिक शामिल हैं। वहीं, 26,800 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरानी सरकार ने अपनी तरफ से कुल 3,117 मौतों की संख्या बताई, जिसमें 2,427 को नागरिक और सुरक्षा बल, बाकी को आतंकवादी बताया गया।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Water Work Department
Municipal Corporation Rest House, Shyamla Hills, Bhopal
Office Telephone No. 0755-2701669

NOTICE INVITING e-TENDER

Online Tender are being inviting for the following work from the appropriated firm that Registred in the office of Madhya Pradesh (Central Registration Cell). The tender document can be obtained online on the website http://mptenders.gov.in as per the Key Dates in the Notice published on the above website and detailed information can also be seen on website http://mptenders.gov.in

Corrigendum for this NIT shall not be issued separately in news papers. Corrigendum regarding correction can be seen on the website. http://mptenders.gov.in

S. No.	Tender Call	Tender ID	Details of Work	Estimated Cost (INR)	Earnest Money (EMD)	Bid Submission End Date
1	2	3	4	5	6	7
1	First Call	2026_UAD_477739_1	Providing and Laying of D.I.Pipe line, and Shifting and construction of hydrant at Housing Board Colony Karound Dashera Maidan under zone 17, Bhopal	2,83,292.00	2,833.00	09.02.2026 06:00 PM

T.N. 3033/025/026

Executive Engineer
Water Works Dpartment
Municipal Corporation, Bhopal

स्वास्थ्य के क्षेत्र में मध्यप्रदेश सरकार की योजना कारगर साबित शहर के शासकीय अस्पतालों पर दबाव घटा

वार्ड 19 की संजीवनी लीनिक में प्रतिदिन 60-70 मरीजों का हो रहा निःशुल्क इलाज

भोपाल ■ सुरेन्द्र शर्मा

राजधानी के सभी वार्डों में स्थापित संजीवनी क्लीनिक के कारण सरकारी अस्पतालों पर दबाव काफी कम हो गया है उत्तम सुविधा उचित उपचार मिलने से आमजन मानस का झुकाव संजीवनी क्लीनिक के प्रति बढ़ता जा रहा है। वार्ड क्रमांक 19 के पटेल नगर कालोनी में संचालित संजीवनी क्लीनिक में प्रतिदिन 60 से 70 मरीजों का उपचार किया जाता है। डॉ. अंकित उपाध्याय यहां नियमित रूप से सेवाएं दे रहे हैं इसके अतिरिक्त बच्चों तथा महिलाओं के उपचार हेतु दो स्पेशलिस्ट भी है। सभी प्रकार के रोगी यहां इलाज के लिये आते हैं फ्री में दवाएं ले जाते हैं।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्धारित मापदंड के अनुसार संजीवनी क्लीनिक में मरीजों की जांच और निःशुल्क दवा वितरण की व्यवस्था है। क्लीनिक के मल्टी टाक्स वर्कर परवेज हुसैन के अनुसार शुगर, ब्लडप्रेशर बच्चों का निराकरण, गर्भवती का उपचार एवं जांच के अलावा टी.वी., वीपी, एवं ब्लड समेत 25 प्रकार की जांच की व्यवस्था है हुसैन के अनुसार क्लीनिक के कुल 6 कर्मचारी हैं, वार्ड 19 की समस्त आंगनबाड़ी की आशा एवं एन.एम., सर्कल में जुड़ी हैं। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक क्लीनिक खुला रहता है। आवश्यकता अनुसार निर्धारित समयसीमा में मरीज आकर उपचार का लाभ प्राप्त करते हैं। यहां पर आयुष्मान कार्ड की भी सुविधा उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि पटेलनगर में ही खान शाकिर अली शासकीय अस्पताल है इसके अलावा इन्दिरा गांधी महिला एवं बाल्य चिकित्सालय जो अपने आप में बड़ा शासकीय अस्पताल है वह भी नजदीक में स्थित है जहां पर गर्भवती एवं नवजात बच्चों का इलाज किया जाता है। ऐसे में संजीवनी क्लीनिक में प्रतिदिन मरीजों की संख्या में इतना बड़ा इजाफा हो रहा है तो साफ जाहिर है कि उन अस्पतालों पर दबाव कम हो रहा है। सभी 85 वार्डों में संजीवनी क्लीनिक का संचालन हो रहा है तो सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहर के सभी सरकारी अस्पतालों को इसका लाभ मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि संजीवनी क्लीनिक की शुरुआत मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 2019 में की गई थी, जिसका उद्देश्य लोगों को उनके घर के पास ही स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। यह क्लीनिक दिल्ली की मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर शुरू की गई है।

मध्य प्रदेश में कुल 208 संजीवनी क्लीनिक खोलने की योजना। जिनमें से मार्च 2020 तक 88 क्लीनिक चालू हो गए थे। ये क्लीनिक इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में खोलने की योजना थी।

संजीवनी क्लीनिक की विशेषताएं

- मुफ्त जांच और दवाएं
- 68 प्रकार की जांचें और 120 दवाएं मुफ्त
- सामान्य ओपीडी सेवाएं, गर्भवती माताओं के लिए प्रसव पूर्व देखभाल, टीकाकरण, संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों की जांच
- सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है

संजीवनी क्लीनिक के मुख्य उद्देश्य

- लोगों को उनके घर के पास ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना
- स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और किफायती बनाना
- लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूक करना

संजीवनी क्लीनिक में उपलब्ध सेवाएं

- प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं
- विशेषज्ञ सेवाएं जैसे कि कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी आदि
- जांच सेवाएं जैसे कि हीमोग्लोबिन, मलेरिया, टायफाइड आदि
- दवाएं नि :शुल्क उपलब्ध हैं

भोपाल गोमांस कांड में बड़ा एक्शन

नगर निगम के 8 कर्मचारी सस्पेंड, 3 कर्मियों को नोटिस

अरब देश भेजा जा रहा था गोमांस, चीन जाती थीं हड्डियां

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में गोमांस मामले में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। नगर निगम के 8 कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है और 3 कर्मियों को नोटिस थमाए गए हैं। वहीं जांच कमेटी ने स्लॉटर हाउस की फाइलें जब्त की हैं। इन फाइलों पिछले 10 साल का रिकॉर्ड खंगाला जाएगा। नगर निगम के प्रभारी मंत्री सौरभ सूद से पूछताछ की जा रही है। पुलिस हेडक्वार्टर (PHQ) के सामने 17 दिसंबर की रात 26 टन गोमांस पकड़ा गया था। अब उसकी परतें खुलनी शुरू हो गई हैं। आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। बताते हैं गोमांस अरब देशों में सप्लाई किया जाता था, जबकि हड्डियां चीन भेजी जाती थीं।

भोपाल गोमांस मामला

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में संचालित स्लॉटर हाउस में लम्बे समय से गोमांस का कारोबार चल रहा था। इसे Livestock फूड प्रोसेसिंग प्रालि. के नाम से चलाया जा रहा था। इस अवैध कारोबार को लेकर अब तक क्या-क्या हुआ।

17 दिसंबर 2025, रात 12 बजे: पुलिस मुख्यालय (क्‍ा।क्त) के सामने एक ट्रक को रोका गया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने तोड़-फोड़ और हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस और अफसरों ने जांच का आश्वासन दिया। गोमांस के दावे के चलते ट्रक को जब्त कर लिया गया। सैंपल राज्य पशु चिकित्सालय जहांगीराबाद भेजे गए।

मुख्य आरोपी असलम से 16 घंटे पूछताछ

गोमांस मामले में स्लॉटर हाउस का संचालक असलम कुरैशी उर्फ चमड़ा, मुख्य आरोपी है। उससे 22-23 जनवरी को दो अलग-अलग अफसरों ने करीब 16 घंटे तक पूछताछ की। बताते हैं वह पुलिस को गुमराह कर रहा है और बरामद मांस को अपना मानने से मना कर रहा है।

मामला आगरा की एग्रो कंपनी से जुड़ा

असलम ने पुलिस को बताया कि माल की सिर्फ पैकिंग स्लॉटर हाउस में हुई थी, लेकिन माल आगरा की एक प्रतिष्ठित एग्रो फूड कंपनी का था।

पुलिस ने असलम से उसके बिजनेस पार्टनर्स और करीबी लोगों की जानकारी हासिल की है। मामले में स्लॉटरिंग से पहले जानवरों का चेकअप करने वाले डॉक्टर बेनी प्रसाद गौर की भूमिका को लेकर भी जानकारियां जुटाई गई हैं।

उन्नति पैनल ने संत हिरदाराम नगर में संतश्री की कुटिया में टेका माथा, सिद्ध भाऊ से मिला जीत का आशीर्वाद

अध्यक्ष पद के गोविंद गोयल सहित पूरे पैनल के प्रत्याशियों को मिल रहा व्यापारियों का अपार समर्थन

संत हिरदाराम नगर/भोपाल ■ अमृत दर्शन

व्यापारियों की सबसे बड़ी संस्था चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चुनाव में अब गर्माहट देखी जा रही है। चैंबर के चुनाव में उन्नति पैनल को व्यापारियों का अपार समर्थन मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ व्यवसायी, समाजसेवी व एक लंबी राजनीतिक पहचान रखने वाले गोविंद गोयल खड़े हुए हैं। उनके साथ ही उनकी पूरी पैनल के प्रत्याशियों को भी सभी व्यापारिक वर्गों का अपार समर्थन मिल रहा है। गोविंद गोयल प्रतिदिन अपनी पूरी पैनल के साथ प्रत्येक व्यापारियों से उनके व्यावसायिक स्थल पर जाकर संपर्क कर उनकी पूरी पैनल को जिताने का आग्रह कर रहे हैं। उनके इस आग्रह को व्यापारियों का समर्थन भी मिल रहा है।

सिद्ध भाऊ ने कहा- उन्नति पैनल विजयी भव

इसी कड़ी में गोविंद गोयल आज अपनी पूरे उन्नति पैनल के साथ संत हिरदाराम नगर पहुंचे, जहां पर उन्होंने संत श्री की कुटिया में जाकर माथा टेका और सिद्ध भाऊ का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस दौरान सिद्ध भाऊ ने उन्हें चुनाव जीतने के कुछ उपाय भी सुझाए और जीत का आशीर्वाद दिया। जिसके बाद पूरी पैनल ने संत हिरदाराम नगर के व्यापारियों और चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों के साथ एक बैठक की, जहां पर व्यापारियों ने उन्नति पैनल के अध्यक्ष पद प्रत्याशी गोविंद गोयल सहित पूरी पैनल के प्रत्याशियों का जोरदार स्वागत किया। भास्कर समूह के प्रमुख मनमोहन अग्रवाल ने सभी व्यापारियों से गोविंद गोयल के पूरे पैनल को जिताने का आग्रह किया और सभी व्यापारियों को बताया कि गोविंद गोयल उन लोगों में से है जो सभी के हित के लिए खड़े रहते हैं और समय आने पर उनको हक दिलाने के लिए अड़े भी रहते हैं।पूरे पैनल के साथ अध्यक्ष पद पर विजयश्री मिलते ही वह व्यापारियों के हित के लिए भी हाथ जोड़कर सभी के सामने खड़े रहेंगे और समय आने पर पीछे भी नहीं हटेंगे।

संत हिरदाराम नगर को बनायेंगे ट्रांसपोर्ट हब

इस दौरान अध्यक्ष पद के दावेदार गोविंद गोयल ने व्यापारियों व चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि आज व्यापारियों को सुविधाएं मिलने का समय है लेकिन उनकी आवाज उठाने वाला कोई व्यक्ति नहीं है। यकीनन संत हिरदाराम नगर में व्यवसाय जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसके हिसाब से यहां पर सुविधाएं व्यापारियों को नहीं मिल रही है, उसके लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे। ट्रांसपोर्ट हब बनाने की मांग व्यापारियों भाइयों ने की है जिसके लिए हम पूरी तरीके से प्रयास करके संत हिरदाराम नगर को ट्रांसपोर्ट हब भी बनवाएंगे।इस दौरान विष्णु बंसल, जवाहर मूलचंदानी, रामचंद्र मूलचंदानी, नारीमल तोलानी, आसनदास वाधवानी, कन्हैयालाल लालवानी, मूलचंद विधानी, नीरज वाधवानी, नरेश केलथमानी, दिनेश वाघानी, कन्हैयालाल ईसरानी, अजय देवनानी, चन्दूकुमार ईसरानी, राम बंसल, जयकिशन लालचंदानी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस से पूर्व उन्नति पैनल का मिलन समारोह तैयारियां पूर्ण

किसी भी गणतंत्र दिवस से पूर्व 25 जनवरी रविवार को उन्नति पैनल द्वारा गणतंत्र दिवस उत्सव और मिलन समारोह का आयोजन गुजराती समाज भवन में किया जा रहा है ,जिसमें राष्ट्रभक्ति पूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ चेंबर ऑफ कॉमर्स के तमाम सदस्यों को आमंत्रित कर उन्हें उन्नति पैनल के तमाम प्रत्याशियों से रूबरू कराया जाएगा। इसके साथ-साथ उन्नति पैनल अपने संकल्पों को भी मतदाताओं के समक्ष रखेगा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी बंधुओ के आने की संभावना है।

कार ने बाइक सवार सास-दामाद को टक्कर मारी

सास की मौत दामाद की हालत गंभीर, अस्पताल में इलाज जारी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के बिलखिरिया थाना इलाके में तेज रफ्तार कार ने पीछे से बाइक सवार सास और दामाद को टक्कर मार दी। हादसे में घायल सास की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं आरोपी वाहन चालक की फिलहाल शिनाख्त नहीं की जा सकी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

70 वर्षीय राजी बाई पत्नी मांगीलाल कोकता बंजारी बस्ती की रहने वाली थी। बीती रात दामाद के साथ भानपुर से घर के लिए आ रही थी इसी बीच कान्हासैया पुलिया के पास एक इको स्पोर्ट्स कार ने दामाद अनिल की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सास और दामाद दोनों गंभीर रूप से घायल हुए थे।

दामाद की हालत गंभीर

इलाज के दौरान राजी भाई की आज सुबह मौत हो गई। जबकि दामाद की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिसका इलाज अस्पताल में जारी है। बिलखिरिया पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शनिवार दोपहर पीएम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल जा रहे हैं। जिससे टक्कर मारने वाले वाहन और चालक की पहचान की जा सके।

भोपाल में जैन लिगेसी क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरा दिन

भोपाल। भोपाल के बैरागढ़ क्रिकेट ग्राउंड में जारी जैन लिगेसी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन का पहला मुकाबला में रेस्टफुल रॉयल् ने 13 रन से जीता तो वहीं दूसरा एसजे इलेवन ने 5 विकेट से। एसजे इलेवन ने इस टूर्नामेंट का अपना पहला मैच जीता। आज के आखिरी मुकाबले में 360 धुरंधर ने रेस्टफुल रॉयल् को तीन विकेट से मात दी।

भोपाल। भेल में बनेगा भोपाल का पहला सूर्य मंदिर जिसका भूमिपूजन मप्र की मंत्री कृष्णा गौर ने भेल बरखेड़ा स्थित सरस्वती मंदिर परिसर में बसंत पंचमी पर किया ।इस अवसर पर आर एस एस के पदाधिकारी, भाजपा पार्षद , भेल के पूरी ईडी एस आर प्रसाद, सत्येंद्र कुमार रामनारायण गिरी, बिहार सांस्कृतिक परिषद के पदाधिकारी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ग्वालियर, दतिया सहित इन 14 जिलों में बारिश के आसार

एमपी में फिर बदला मौसम का मिजाल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में मौसम में बदलाव जारी है। बीते तीन दिन पहले फीके पड़े ठंड के तेवर फिर बढ़ते नजर आ रहे हैं। सुबह शाम ठंडी हवाएं एक बार फिर बढ़ी ठंड का अहसास दिला रही हैं। हिन्दू धर्म में बसंत पंचमी से मौसम बदलने लगता है। होली आते आते ठंड की विदाई हो जाती है। हालांकि इसी बीच कहीं कहीं हल्की बारिश का भी पूर्वानुमान मौसम विभाग ने जताया है। आईएमडी के अनुसार 26 जनवरी के बाद एक तीव्र वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव से प्रदेश के कई जिलों में हल्की बारिश के आसार हैं।

मौसम वैज्ञानिक के अनुसार 26 जनवरी से भारत के उत्तर-पश्चिम एरिया पर एक और स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस असर डाल सकता है। जिसके असर से मध्यप्रदेश के कई जिलों में हल्की बारिश का अनुमान है। आईएमडी की रिपोर्ट के अनुसार ग्वालियर, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, अशोकनगर, गुना, राजगढ़, आगर-मालवा, नीमच और मंदसौर में कहीं-कहीं बारिश के आसार हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सभी संभागों के जिलों में मौसम मुख्यतः शुष्क बना रहा। इस दौरान कहीं भी वर्षा दर्ज नहीं की गई।

मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में अधिकतम तापमान में सभी संभागों में कोई खास बदलाव नहीं देखा गया। हालांकि भोपाल, जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 1.9 से 3.0 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहा। वहीं ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों में यह सामान्य से 3.4 से 3.9 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रिकॉर्ड किया गया।

गणतंत्र दिवस की तैयारियां पूरी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के लाल परेड ग्राउंड पर हुआ फुल ड्रेस रिहर्सल, 23 प्लाटून और 1300 जवानों की सबसे लंबी परेड होगी शामिल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित फुल ड्रेस रिहर्सल में जवानों ने शानदार कदमताल दिखाई। इस बार की परेड अब तक की सबसे लंबी होगी, जिसमें कुल 23 प्लाटून शामिल होंगी। इनमें लगभग 1300 जवान और डॉग स्क्वॉड की टीम भी भाग लेगी।

परेड के दौरान स्कूली बच्चों और आदिवासी कलाकारों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे, जो देशभक्ति की भावना को और मजबूत करेंगे। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगुभाई पटेल रहेंगे। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन, डीजीपी कैलाश मकवाणा सहित सभी वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। दर्शकों के लिए तिरंगा डोम में बैठने की व्यवस्था की गई है। यह उत्सव न केवल भोपाल बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में देशभक्ति का संदेश प्रसारित करेगा।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।